RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 26 डिग्री
न्युनतम तापमान 14 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 25 डिग्री
न्युनतम तापमान 13 डिग्री

शुक्रवार 21 नवंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :48 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 25 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 कांग्रेस 'वोट चोरी' का मुद्दा नहीं छोड़ेगी

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 17 | अंक : 035 | गाजियाबाद, शुक्रवार 21 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 CBDC Paytm Cred PhonePe Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

भाजपा की बैसाखी के साथ नीतीश दसवीं बार बने बिहार के मुख्यमंत्री

✷ वेबवार्ता. पटना ✷

दो दशक में दसवीं बार! श्री नीतीश कुमार ने लोकतंत्र की जननी कहीं जाने वाली भूमि बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में गुरुवार को लगभग दो दशक में दसवीं बार शपथ लेकर देश की राजनीति में एक नया कीर्तिमान बनाया है।

ढ़लती उम्र, थकान और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ लंबे समय तक शासन में रहने से लोकप्रियता में कमी की अटकलों को दरकिनार करते हुए हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में श्री कुमार ने राज्य की राजनीति में अपने निरंतर प्रभाव और जनता के भरोसे की एक बार फिर पुष्टि की। लगभग दो दशकों तक सत्ता में रहने के बाद इस चुनाव में वह अपनी सबसे कठिन राजनीतिक परीक्षा का सामना कर रहे थे।

जातीय खानाजंगी और राजनीति के अपराधीकरण के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाले बिहार प्रांत में 'सुशासन बाबू' के रूप में पहचान बनाने वाले और बिहार में अपनी स्वच्छ एवं ईमानदार छवि के कारण वह गठबंधन की राजनीति में एक मुख्य धुरी बने हुए हैं। हाल के समय में मीडिया से नीतीश से दूरी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा 'अचेत मुख्यमंत्री' कहे जाने और प्रशासन पर नौकरशाही के हावी होने के आरोपों के बावजूद बिहार के मतदाताओं ने उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को इस बार एक ऐतिहासिक जनादेश दिया है।

बिहार में जनादेश की बहार में 'नीतीशे कुमार' पर जनता ने एक बार फिर ऐतबार जता दिया। छह महीने पहले तक जहां नीतीश कुमार की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे थे और विपक्षी दल महागठबंधन मजबूत दिख रहा था, चुनाव नतीजों ने उनके खिलाफ तमाम अटकलें को हवा-हवाई साबित कर दिया। नीतीश कुमार ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह अब भी बिहार के राजनीतिक रंगमंच के सबसे दमदार और सरदार अदाकार हैं। राजग की इस बार की जीत सिर्फ सरकार बनाने के लिए नहीं, बल्कि बिहार की जनता की निरंतरता और स्थिरता की चाहत का प्रमाण है। जनता ने फिर से कहा है ,"बिहार में बहार है, नीतीशे कुमार हैं..." नीतीश कुमार अपनी जनसभाओं, रैलियों में कहते , "2005 से पहले कुछ था... कोई काम किया है, ऊ लोग (राजद)....कोई शाम के बाद निकल पाता था... ।" नीतीश कहते रहे कि 'सब हम लोग कितना काम किए जी...।' श्री नीतीश कुमार का लगातार पांचवां विधानसभा चुनाव जीतना और 10वीं बार मुख्यमंत्री बनना, भारतीय राजनीति में एक दुर्लभ उपलब्धि है, खासकर हिंदी भाषी राज्यों में, जहां भारतीय लोकतंत्र में बदलाव की उम्मीद की जाती है, वहीं बिहार ने बार-बार दोहराये जाने वाले चेहरे पर अपना विश्वास दिखाया है।

इस बार राजग में भाजपा और जदयू ने बराबर-बराबर 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ा और राजग ने उन्हें फिर से मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में आगे रख कर चुनाव लड़ा। इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्री नीतीश कुमार की छवि का फायदा मिला। राजग ने 2010 के 200 से अधिक सीटों को जीतने के प्रदर्शन को दोहराया।

कभी बिहार में भाजपा के बड़े भाई की भूमिका में रहे जदयू को इस बार छोटे भाई की भूमिका में देखा जा रहा था। चुनाव से पहले यह व्यापक रूप से माना जा रहा था कि श्री मोदी की स्थायी लोकप्रियता और भाजपा का राष्ट्रीय प्रभुत्व ही राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सबसे बड़ी ताकत होगी, जो श्री नीतीश कुमार की घटती लोकप्रियता की भरपाई कर सकती है। इस बार चुनाव परिणाम ने भाजपा-जदयू को बराबर का सहभागी साबित किया है।

इस चुनाव में श्री नीतीश कुमार ने महिला मतदाताओं के बीच एक मजबूत सद्भावना अर्जित की है। बिहार की 'दीदियों' ने मजबूती से उनका हाथ थामे रखा। यह बात लंबे समय से मानी जाती रही है कि बिहार की महिलाएं 2005 से चली आ रही श्री नीतीश कुमार नेतृत्व वाली राजग सरकार की महिला-केंद्रित योजनाओं की वजह से उनसे खूब जुड़ी हुई हैं, लेकिन इस बार गेम-चेंजर बना चुनावी सीजन के दौरान 1.4 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को दिया गया, 10 हजार रुपये का नकद भुगतान।

'दस-हजारिया' लाभार्थी और जीविका दीदियां राजग की बड़ी जीत का असली इंजन बन गयीं। सरकारी योजनाओं से लाभ पाने वाली महिलाएं बड़ी संख्या में हैं और वे हर जाति, समुदाय और वर्ग से आती हैं। इस बार 71.6 प्रतिशत महिलाओं ने वोट डाला, जो पुरुषों (62.8 प्रतिशत) से करीब नौ प्रतिशत ज्यादा है।

भारत अमेरिका से खरीदेगा आधुनिक रक्षा प्रणाली

✷ वेबवार्ता. वाशिंगटन ✷

भारत अमेरिका से 9.3 करोड़ डॉलर से एक्सकैलिबर गाइडेड आर्टिलरी प्रोजेक्टाइल और जैवलिन एंटी टैंक मिसाइल खरीदेगा। अमेरिका ने डील को मंजूरी देते हुए कहा कि इन उपकरणों से भारत की सैन्य क्षमता को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटना आसान होगा।

अमेरिकी रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (डीएससीए) ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि विदेश मंत्रालय ने भारत को चार करोड़ 71 लाख अमेरिकी डॉलर से एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और चार करोड़ 57 लाख डॉलर की लागत से जैवलिन मिसाइल सिस्टम एवं संबंधित उपकरणों की बिक्री को मंजूरी दी है।

एजेंसी ने बताया भारत सरकार ने 216 एम982ए1 एक्सकैलिबर गाइडेड आर्टिलरी प्रोजेक्टाइल खरीदने का प्रशताव दिया था। इसमें उपकरणों के साथ अन्य वश्तुएं इम्प्रूव्ड प्लेटफॉर्म इंटीग्रेशन किट के साथ पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक फायर कंट्रोल सिस्टम, अमेरिकी सरकार की तकनीकी सहायता, तकनीकी डाटा, मरम्मत एवं वापसी सेवाएं और रसद एवं कार्यक्रम सहायता के अन्य संबंधित तत्वों समेत गैर-एमडीई जैसी वश्तुओं की बिक्री शामिल है।

एजेंसी ने कहा है कि भारत को इन वश्तुओं और सेवाओं को अपने सशस्त्र बलों में शामिल करने में किसी तरह की

कोई कठिनाई नहीं होगी। इन उपकरणों की बिक्री से क्षेत्र में बुनियादी सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं आएगा। एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल्स वर्जीनिया स्थित आरटीएक्स कॉर्पोरेशन मुहैया कराएगा। रक्षा कवच मजबूत होगा डीएससीए ने एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल की बिक्री पर कहा कि सटीक क्षमता वाले उपकरणों की मदद से भारत वर्तमान और भविष्य के खतरों से आसानी से निपटेगा।

सैन्य क्षमता में विश्तार होगा। सैन्य ब्रिगेड के हमले की सटीकता बढ़ेगी। सीमा के साथ घरेलू रक्षा कवच भी मजबूत होगा।

टैरिफ विवाद के बीच बड़ा सौदा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद ये पहला बड़ा रक्षा सौदा है।

हिंसा छोड़ मुख्यधारा में शामिल हो रहे नक्सली : राष्ट्रपति मुर्मु

✷ वेबवार्ता. अंबिकापुर ✷। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कहा कि नक्सली हिंसा का राश्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों से जल्द ही देश भर से नक्सलवाद खत्म हो जाएगा। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मुर्मु ने कहा कि आदिवासी समाज को दूसरे अन्य समाजों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में वामपंथी उग्रवाद का राश्ता छोड़कर लोग विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के सराहनीय और सुसंगठित प्रयासों से निकट भविष्य में ही वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो जाएगा। यह एक बहुत ही संतोषजनक बदलाव है। राष्ट्रपति ने कहा कि 1.65 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने हाल ही में आयोजित 'बश्तर ओलंपिक' में हिस्सा लिया। यह बहुत खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है जनजातीय महानायकों के आदर्शों पर चलते हुए, छत्तीसगढ़ के निवासी सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में अमूल्य योगदान देंगे।

राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक बढ़ी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाने के अपने अंतरिम आदेश की अवधि गुरुवार को चार दिसंबर तक बढ़ा दी। मामला 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ कथित टिप्पणी से संबंधित है। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित करते हुए कहा कि स्थगन के लिए एक पत्र दिया गया है। यह पीठ राहुल गांधी की एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में उन्होंने इस मामले में अधीनस्थ अदालत के समन आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी है।

जयपुर में मंत्री के बंगले में घुसा तेंदुआ, तलाशी जारी

✷ वेबवार्ता. जयपुर ✷। राजस्थान की राजधानी जयपुर के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले सिविल लाइंस इलाके में गुरुवार को एक तेंदुआ घुस आया। इससे इलाके में हड़कंप मच गया। तेंदुआ जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के आधिकारिक बंगले और एक स्कूल परिसर में घूमता रहा था। वन विभाग ने तत्काल इलाके की घेराबंदी कर दी है और तेंदुए को रेस्क्यू कर सुरक्षित पकड़ने के लिए बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। निवासियों को घरों के भीतर रहने की सख्त हिदायत दी गई है। सिविल लाइंस इलाके में राजभवन, मुख्यमंत्री का आवास सहित अन्य मंत्रियों और अधिकारियों के सरकारी आवास भी हैं। वन विभाग की टीमों ने सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। रेंजर जितेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, टीमें मंत्री के बंगले और आस-पास के घरों की तलाशी ले रही हैं।

ईडी ने नकली समन के मामलों से निपटने के लिए क्यूआर कोड सत्यापन शुरू किया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के नाम पर धोखाधड़ी और जबरन वसूली के लिए नकली समन भेजे जाने की बढ़ती खबरों के बीच ईडी ने नागरिकों को समन नोटिस की असलियत सत्यापित करने में मदद करने के लिए नए तरीके लागू किए हैं। वित्त मंत्रालय ने आज अपने आधिकारिक अकाउंट के जरिये इसकी घोषणा की। नकली ईडी समन असली नोटिस जैसे ही होते हैं, जिससे पाने वालों के लिए सही और गलत के बीच फर्क करना मुश्किल हो जाता है। इस बढ़ती समस्या से निपटने के लिए ईडी अब सिस्टम से बनने वाले समन जारी कर रहा है जिसमें एक क्यूआर कोड और एक यूनिक पासकोड होता है।

राज्यपाल के पास बिल को हमेशा के लिए रोकने का कोई अधिकार नहीं: सुप्रीम कोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भेजे गए प्रेसिडेंशियल रेफरेंस पर ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने साफ कहा कि राज्यपाल विधानसभा से पास हुए बिलों को अनंत काल तक अपने पास नहीं लटका सकते। ऐसा करना संघीय ढांचे को गहरी चोट पहुंचाता है और जनता द्वारा चुनी हुई सरकार के कामकाज को पूरी तरह ठप कर देता है।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अगुवाई वाली बेंच ने स्पष्ट किया कि राज्यपाल के पास बिल को हमेशा के लिए रोकने का कोई अधिकार नहीं है। उनके सामने सिर्फ तीन राश्ते हैं। या तो बिल को मंजूरी दे दें, या एक बार पुनर्विचार के लिए विधानसभा को वापस भेज दें, या अगर बिल संविधान की मूल भावना के खिलाफ लगता है, तो उसे राष्ट्रपति के पास भेज दें। कोर्ट ने यह भी कहा कि बिल को चुपचाप ड्रॉअर में बंद करके रखना संवैधानिक गतिरोध पैदा करता है, जो स्वीकार नहीं किया जा सकता।

संविधान पीठ ने 'समय सीमा के बाद अपने आप मंजूरी' यानी डीम्ड असेंट की मांग को पूरी तरह खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि संविधान में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है और यह शक्ति-पृथक्करण के सिद्धांत के खिलाफ होगी। साथ ही कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वह खुद आर्टिकल 142 के तहत बिलों को मंजूरी नहीं दे सकता, क्योंकि यह पूरी तरह राज्यपाल और राष्ट्रपति का क्षेत्र है। हालांकि कोर्ट ने राज्यपालों की भूमिका

को सिर्फ रबर स्टैंप नहीं माना। उसने कहा कि चुनी हुई सरकार ही गाड़ी की ड्राइवर सीट पर बैठती है, वहां दो लोग नहीं बैठ सकते, लेकिन राज्यपाल का रोल पूरी तरह औपचारिक भी नहीं है। सामान्य मामलों में उन्हें मंत्रिमंडल की सलाह माननी ही पड़ती है पर कुछ खास परिस्थितियों में वे अपने विवेक का इश्तेमाल कर सकते हैं।

अगर राज्यपाल जानबूझकर कोई कदम नहीं उठाते तो बिल के गुण-दोष में जाए बिना सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट उन्हें समयबद्ध तरीके से फैसला लेने का सीमित निर्देश दे सकता है।

केरल, तमिलनाडु, पंजाब, पश्चिम बंगाल जैसे कई राज्यों में लंबे समय से बिल लटकाने का विवाद चल रहा था।

इस फैसले से अब राज्यपालों पर तुरंत फैसला लेने का मजबूत दबाव बनेगा और चुनी हुई सरकारों को बड़ी राहत मिलेगी।

माघ मेले की समीक्षा बैठक को योगी शनिवार को इलाहाबाद दौरे पर

✷ एनसीआर टुडे. इलाहाबाद ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रयागराज दौरे पर रहेंगे और माघ मेले की तैयारी को लेकर आई ट्रिपलसी सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे तथा सभी अधिकारियों के साथ मेले को भव्य और दिव्य बनाने की चर्चा करेंगे। श्री योगी शनिवार को एक विवाह समारोह में भी शामिल होने के लिए प्रयागराज पहुंचेंगे। वहीं उनके दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई है।

मुख्यमंत्री आई ट्रिपल सी सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे उसके उपरांत गंगा पूजन करने के बाद एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद वह लखनऊ के लिए प्रयागराज से प्रस्थान करेंगे जिसको लेकर प्रशासन तैयारी में लगा हुआ है। गौरतलब है कि अगले वर्ष लगने वाले माघ मेले को भव्य और दिव्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी प्रयागराज दौरे पर रहेंगे साथ ही साथ 2024 और 2025 में महाकुंभ के तर्ज पर इस बार का माघ मेला रहेगा। श्री योगी माघ मेले को लेकर पुलिस प्रशासन के साथ भी बैठक करेंगे और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए किस तरीके का इंतजाम किए गए हैं इस पर भी चर्चा कर सकते हैं।

प्रवर्तन निदेशालय ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ धन शोधन मामले में नयी चार्जशीट दाखिल की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ एक नयी चार्जशीट दाखिल की जिसमें उन्हें ब्रिटेन के हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में पहली बार औपचारिक तौर पर आरोपी बनाया गया है। ईडी के अधिकारी ने एक समाचार एजेंसी को बताया, 'संजय भंडारी धनशोधन मामले में उसकी मदद करने के लिए श्री वाड्रा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गयी है। इस मामले में अगली तारीख छह दिसंबर है।' राउज़ एवेन्यू कोर्ट छह दिसंबर को चार्जशीट पर विचार करेगा।

वाड्रा इस केस में नामजद नौवें व्यक्ति बन गये हैं। दूसरे आरोपियों में संजय भंडारी, सुमित चड्ढा, संजीव कपूर, अनिरुद्ध वाधवा और कई कंपनियां शामिल हैं।

जुलाई में धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत श्री वाड्रा का बयान रिकॉर्ड करने के बाद एजेंसी ने यह कार्रवाई की है। पिछले महीने उन्हें पूछताछ के लिए दो बार बुलाया गया था, लेकिन उन्होंने बीमारी और पहले से निर्धारित विदेश यात्रा का हवाला देते हुए मोहलत मांगी थी।

यह केस श्री वाड्रा के खिलाफ चल रहे तीन धनशोधन मामलों की जांचों में से एक है। दो अन्य मामले हरियाणा और राजस्थान में ज़मीन के सौदों में कथित गड़बड़ियों से जुड़े हैं।

ईडी का केस उन आरोपों पर केंद्रित है कि संजय भंडारी ने 2009 में लंदन में एक प्रॉपर्टी खरीदी थी और श्री वाड्रा के निर्देशों के अनुसार उसका रेनोवेशन करवाया था और इस काम के लिये श्री वाड्रा ने धनराशि उपलब्ध करायी थी। श्री वाड्रा ने लंदन में किसी भी प्रॉपर्टी के मालिक होने से इनकार करते हुए ऐसे आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया है। गौरतलब है कि वर्ष 2016 में भारत से भागने वाले संजय भंडारी को इस साल भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया था। ब्रिटेन की एक अदालत में हाल के घटनाक्रमों ने उसके भारत में प्रत्यर्पण की संभावना को काफी कम कर दिया है।

अनंतनाग मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों के लॉकरों की जांच हुई

✷ वेबवार्ता. जम्मू ✷

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज में

डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के लॉकरों की जांच की गई।

दिल्ली में हुए धमाके और आतंकी मॉड्यूल के खुलासे के सिलसिले में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद की बरामदगी के बाद बढ़ाए गए सुरक्षा उपायों के तहत यह जांच की गई। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि अनंतनाग पुलिस ने अस्पताल प्रशासन के साथ मिलकर सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के लॉकरों की पूरी जांच की।

जांच के दौरान बिना दावे वाले लॉकरों की पहचान की गई और अस्पताल प्रशासन को उनके किसी भी तरह के गलत इश्तेमाल को रोकने के लिए रिकॉर्ड अपडेट करने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जांच अभियान शुरू किया।

अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान अनंतनाग के जीएमसी में शुरू किया गया था, जहां इस महीने की शुरुआत में डॉ. अदील राथर के लॉकर से एके-47 राइफल बरामद की गई थी।

डॉ. अदील की गिरफ्तारी से एक खतरनाक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ, जिसमें कई चिकित्सक शामिल थे और करीब 2900 किलोग्राम विस्फोटक पदार्थ बरामद किया। अधिकारियों ने कहा कि जीएमसी में जांच का उद्देश्य पारदर्शिता, जवाबदेही और अस्पताल के बुनियादी ढांचे का उचित उपयोग सुनिश्चित करना है।

अमेरिका ने भारत को 4.71 करोड डॉलर की मिसाइलें, प्रोजेक्टाइल की बिक्री को मंजूरी दी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

अमेरिका ने भारत को एफजीएम-148 जेवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल और एम982ए1 एक्सकैलिबर प्रक्षेपास्त्र तथा संबंधित उपकरणों की बिक्री को मंजूरी प्रदान की है, जिसका अनुमानित मूल्य 4.71 करोड़ अमेरिकी डॉलर है।

रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत को एक्सकैलिबर प्रक्षेपास्त्र और संबंधित उपकरणों की संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी दी है। एजेंसी ने कांग्रेस को सूचित करते हुए आवश्यक प्रमाणन प्रदान किया है।

गौरतलब है कि भारत सरकार ने अमेरिका से 216 एम982ए1 एक्सकैलिबर सामरिक प्रक्षेपास्त्रों की खरीद का अनुरोध किया है। इसमें शामिल की जाने वाली अतिरिक्त गैर-एमडीई वश्तुओं में पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक फायर कंट्रोल सिस्टम, प्राइमर, अमेरिकी सरकार की तकनीकी सहायता, तकनीकी डेटा, मरम्मत वं वापसी सेवाएं, और रसद एवं कार्यक्रम सहायता के अन्य संबंधित सामग्री शामिल हैं।

कुल अनुमानित लागत मूल्य 4.71 करोड़ अमेरिकी डॉलर है। प्रश्तावित बिक्री अमेरिका-भारत रणनीतिक संबंधों को मज़बूत करेगी और एक प्रमुख रक्षा साझेदार की सुरक्षा बढ़ाकर अमेरिकी विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों को बल प्रदान करेगी।

भारत, हिंद-प्रशांत और दक्षिण एशिया क्षेत्रों में राजनीतिक स्थिरता, शांति एवं आर्थिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बना हुआ है।

जन जागृति यात्रा का किया गया नगीना में भव्य स्वागत, गुरु तेग बहादुर जन जागृति यात्रा धूमधाम से निकाली

एनसीआर टुडे. नगीना । नगर में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वे शताब्दी शहीदी दिवस को समर्पित एक जन जागृति यात्रा का आयोजन गुरुद्वारा सिंह सभा धामपुर द्वारा किया गया। यात्रा धामपुर से 19 नवंबर को सुबह 7 बजे से शुरु होकर स्योहारा, ताजपुर, नूरपुर, हल्दौर बिजनौर , किरतपुर, नजीबाबाद से होते हुए रात्रि लगभग 8 बजे नगीना पहुंची। नगीना की संगत द्वारा यात्रा का स्वागत बिजनौर रेलवे फाटक के पास फूलों की वर्षा कर किया गया। श्री गुरु तेग बहादुर साहिब एवं भाई मती दास जी ,भाई सती दास जी, भाई दयाल जी की शहीदी को समर्पित इस विशाल जन जागृति यात्रा का आयोजन गुरुद्वारा सिंह सभा धामपुर द्वारा किया गया जिसके नगीना पहुंचने पर नगीना की संगत द्वारा यात्रा का भव्य स्वागत किया गया ।यात्रा में सबसे आगे एक जीप में पंच प्यारे सवार थे और उनके पीछे मोटरसाइकिल सवार श्रद्धालुओं का जत्था चल रहा था। इसके बाद फूलों से सुसज्जित बस पर गुरु महाराज जी की सवारी विद्यमान थी।यात्रा में शामिल एक बस पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के लोग और दूसरी बस पर संगत सवार थी और पीछे अनेकों कारों का काफिला था। यात्रा में किए जा रहे भजन कीर्तन से नगर का वातावरण भक्तिमय हो गया था। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी नगीना द्वारा यात्रा के सभी आयोजकों को सरोपा देकर सम्मानित किया गया तथा यात्रा में शामिल सभी संगतो को गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी नगीना द्वारा चाय, पानी एवं प्रसाद आदि का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रधान गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी नगीना केवल पाल सिंह, मनमीत सिंह, जगप्रीत सिंह, सुखविंदर सिंह, हरमीत मल्होत्रा, नरेन्द्र मल्होत्रा, जगमीत मल्होत्रा, एडवोकेट हरदयाल सिंह, भूपेंद्र सिंह, शिव मिगलानी, युद्धवीर सिंह, रोहित रवि, हरजिंदर कौर, अजीत कौर, रमिंदर कौर, अवनीत कौर, मनप्रीत कौर,करनप्रीत सिंह, हरप्रीत कौर समेत सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

13 वर्षीय कनक का अपहरण, 6 दिन बाद भी सुराग नहीं , शिवसेना करेगी प्रदर्शन

एनसीआर टुडे. चांदपुर । बसंती देवी धर्मशाला में शिवसेना की विशेष बैठक आयोजित की गई।, जिसकी अध्यक्षता पंडित नरेश शर्मा ने की तथा संचालन राहुल त्यागी द्वारा किया गया। बैठक में ग्राम झलरी की 13–14 वर्षीय नाबालिग कनक के अपहरण का मुद्दा प्रमुख रहा। बताया गया कि बच्ची का अपहरण स्कूल समय के दौरान कर लिया गया था। घटना को हुए छह दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस अपहरणकर्ताओं का सुराग लगाने में विफल रही है। बच्ची का कोई पता नहीं चल पाया है। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि जिले में आए दिन मासूम बच्चियों और बच्चों के अपहरण की वारदातें हो रही हैं। कई मामलों में अपराधी खुलेआम घूमते नजर आते हैं, क्योंकि पुलिस मात्र 151, 23 जैसे धाराओं में चालान कर कागजी कार्रवाई पूरी कर अपनी जिम्मेदारी निभा देती है। इससे अपराधियों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं और वह बड़ी घटनाओं को आसानी से अंजाम दे रहे हैं। शिवसेना पदाधिकारियों ने जिले की कानून व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न उठाते हुए आरोप लगाया कि बिजनौर के कप्तान साहब गर्मी हो या सर्दी, एसी कमरे में बैठकर ही पूरे जिले का संचालन करते हैं,। जबकि जिले में लूट, हत्या और अपहरण जैसी वारदातें लगातार बढ़ रही हैं। अपराध का ग्राफ लगातार चढ़ता जा रहा है और आमजन खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि दो दिन के भीतर नाबालिग कनक का पता न चला। शिवसेना सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करने को विवश होगी। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने समय रहते ठोस कार्रवाई नहीं की, तो जिलेभर में जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

पार्टी को मजबूत करने पर चर्चा

एनसीआर टुडे. चांदपुर । कांग्रेस ने आगामी चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। गुरुवार को बिसरख स्थित जिला कार्यालय पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश मंडल शतरीय संगठन की समीक्षा बैठक की गई। इस दौरान संगठन को मजबूत और अनुशासित करने की जरूरत पर चर्चा की। बैठक में आसपास के जिलों में चल रही संगठनात्मक गतिविधियों, सदस्यता अभियान और चुनावी रणनीति पर रिपोर्ट प्रश्तुत की।

डीकेएस ने दिए कर्नाटक में बड़े फेरबदल के संकेत

कहा- हमेशा के लिए तो पद पर नहीं रह सकता

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार (डीकेएस) ने नई हवा दे दी है। सीएम सिद्धारमैया के साथ कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही रस्साकशी के बीच उन्होंने संकेत दिया कि वह पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे सकते हैं। बुधवार की दोपहर बेंगलुरु में एक पार्टी कार्यक्रम में शिवकुमार ने कहा, 'मैं इस पद पर स्थायी रूप से नहीं रह सकता... साढ़े पाँच साल हो चुके हैं और मार्च में छह साल हो जाएँगे।' उन्होंने कहा है कि उन्हें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ सकता है। हालांकि, उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया है कि वह पार्टी के अग्रिम पंक्ति के नेताओं में बने रहेंगे। शिवकुमार ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर आयोजित एक पार्टी कार्यक्रम में कहा, ''मैं रहूं या न रहूं, यह मायने नहीं रखता, लेकिन मैं अपने कार्यकाल में 100 पार्टी कार्यालय स्थापित करना चाहता हूं।'' जब कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में उनके अनिश्चित कार्यकाल पर चिंता व्यक्त की, तो उन्होंने कहा, ''मैं इस पद पर स्थायी रूप से नहीं रह सकता। साढ़े पांच साल हो चुके हैं और मार्च में छह साल हो जाएंगे।'' उन्होंने आगे कहा,

''दूसरों को भी मौका दिया जाना चाहिए। लेकिन मैं नेतृत्व में रहूंगा। चिंता मत करो, मैं अग्रिम पंक्ति में रहूंगा।'' शिवकुमार को मई 2020 में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा कि मई 2023 में उपमुख्यमंत्री बनने पर उनका पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का इरादा था, लेकिन एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने उन्हें कुछ और समय तक पद पर बने रहने के लिए कहा। इससे पहले, अपने संबोधन में, शिवकुमार ने पार्टी के लिए काम करते रहने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आह्वान किया।

क्या है नवंबर क्रांति?

शिवकुमार की यह टिप्पणी मुख्यमंत्री पद में बदलाव की अटकलों के बीच आई है क्योंकि कांग्रेस सरकार इस महीने अपने पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंच रही है।इस अवधि को कुछ लोग 'नवंबर क्रांति' कह रहे हैं, जिसमें मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता–साझाकरण की अफवाहों का हवाला दिया गया है।पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने केपीसीसी नेतृत्व पर भी सवाल उठाए हैं।एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने 2023 में कहा था कि शिवकुमार 2024 के लोकसभा चुनावों तक केपीसीसी अध्यक्ष बने रहेंगे।लोक निर्माण मंत्री सतीश जरकीहोली और सिद्धरमैया के करीबी माने जाने वाले पूर्व मंत्री के.एन. राजन्ना ने इस पद के लिए खुलकर अपनी इच्छा जताई है।कार्यक्रम के बाद, शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा कि वह जिम्मेदारी से बच नहीं रहे हैं, बल्कि पार्टी अध्यक्ष के रूप में एक मिसाल कायम करने की कोशिश कर रहे हैं।शिवकुमार ने कहा, ''मैं भागने वाला व्यक्ति नहीं हूं।मैं तब तक काम करता रहूंगा जब तक गांधी परिवार और कांग्रेस अध्यक्ष मुझे चाहेंगे।'

'मीटिंग कांड' के बाद अमित शाह से मिले एकनाथ शिंदे

कहा- माहौल बिगाड़ने की हो रही कोशिश

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र में 'मीटिंग कांड' से हुए बवाल के बाद राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। दिल्ली में हुई इस मुलाकात के दौरान शिंदे ने कहा है कि महायुति के कुछ नेता आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए अनुकूल राजनीतिक माहौल को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने शाह से यह भी कहा कि ऐसे व्यवधान महायुति गठबंधन की जीत में बाधा डाल सकते हैं और विपक्ष को फायदा पहुंचा सकते हैं।

बता दें कि एकनाथ शिंदे की शाह से यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब एक दिन पहले ही उनकी पार्टी शिवसेना के मंत्री राज्य मंत्रिमंडल की मंगलवार को हुई बैठक में शामिल नहीं हुए थे। शिवसेना के मंत्री स्थानीय निकाय चुनावों से पहले भाजपा द्वारा शिवसेना नेताओं को अपने पाले में लाने की कोशिशों के विरोध में बैठक में शामिल नहीं हुए थे। शिवसेना की ओर से केवल शिंदे ही कैबिनेट बैठक में शामिल हुए।

मामला तभी शांत हुआ जब शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के मंत्रियों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की, जहां यह निर्णय लिया गया कि महायुति के सहयोगियों को एक-दूसरे के पार्टी पदाधिकारियों, नेताओं और कार्यकर्ताओं को पार्टी में शामिल करने से बचना चाहिए। एक सूत्र ने कहा, 'दिल्ली में बैठक के दौरान, शिंदे ने अमित शाह से कहा कि 2024 के विधानसभा चुनावों में जीत के बाद, आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में महायुति गठबंधन के लिए माहौल बेहद अनुकूल है। हालांकि, कुछ नेता इस माहौल को खराब करने और विपक्ष को अनुचित लाभ देने की कोशिश कर रहे हैं। ' सूत्रों ने बताया, 'उन्होंने केंद्रीय मंत्री से यह भी कहा कि मीडिया में अनावश्यक और भ्रामक खबरें आ रही हैं, जिससे जनता में भ्रम पैदा हो रहा है। इससे पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में भी अनिश्चितता पैदा हो रही है।

अमानवीय सजा देने वाली आरोपी शिक्षिका गिरफ्तार

पालघर, एजेंसी। महाराष्ट्र के पालघर जिले में कक्षा 6वीं की एक छात्रा की मौत के मामले में एक महिला शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि, शिक्षिका ने छात्रा को स्कूल में देर से आने पर कथित तौर पर 100 उठक-बैठक करने के लिए मजबूर किया गया था। इस घटना के बाद छात्रा की तबीयत खराब हुई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना 8 नवंबर की है, जब वसई के श्री हनुमंत विद्या मंदिर में कक्षा 6 में पढ़ने वाली कक्षा छह की छात्रा काजल गौड़ को देरी से स्कूल आने पर अध्यापक ने सौ उठक-बैठक लगाने की सजा दी। उठक-बैठक लगाने के बाद काजल के कमर में दर्द होने लगा। बच्ची की मां ने बताया कि स्कूल से आने के बाद उसने तबीयत खराब होने की शिकायत की। इसके बाद उसे वसई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे एक अन्य अस्पताल में और फिर जेजे अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुक्रवार को इलाज के दौरान बच्ची की जेजे अस्पताल में मौत हो गई।

सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन, मंत्री दारा सिंह चौहान को हराकर जीता था घोसी उपचुनाव

लखनऊ, एजेंसी।
यूपी की घोसी सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक सुधाकर सिंह का निधन हो गया है। दो दिन पहले अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां गुरुवार की भोर में उन्होंने अंतिम सांस ली। सुधाकर सिंह घोसी के प्रतिष्ठित उपचुनाव में योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान को हराकर विधायक बने थे। सुधाकर सिंह के निधन की खबर मिलते ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह यादव समेत तमाम नेता मेंदाता अस्पताल पहुंचे। मंगलवार को उन्हें लखनऊ लाया गया और मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों के अनुसार मल्टी आर्गन फ्लोर के कारण उनका निधन हुआ है। निधन की सूचना मिलते ही पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई है। कैबिनेट मंत्री एके शर्मा, घोसी लोकसभा के सांसद राजीव राय

समेत सभी दलों के लोगों ने शोक प्रकट किया। मऊ की राजनीति में सुधाकर सिंह की मजबूत पकड़ थी। यही कारण था कि घोसी के प्रतिष्ठित चुनाव में अखिलेश यादव ने सुधाकर सिंह पर भरोसा जताया और इस भरोसे को उन्होंने कायम भी रखा। घोसी विधान सभा क्षेत्र के भावनपुर निवासी सुधाकर सिंह कट्टर समाजवादी नेता थे। उनका राजनीतिक जीवन नब्बे के दशक से शुरू हुआ था। छात्र राजनीति के बाद सन 1996 में उन्होंने समाजवादी पार्टी से विधानसभा नत्थूपुर से चुनाव लड़ा और पहली बार विधायक बने। दूसरी बार नए परिसीमन के बाद घोसी विधान सभा से सन 2012 में चुनाव लड़ा और जीत हासिल कर दोबारा विधानसभा की सदस्यता ग्रहण की थी। तीसरी बार सन 2017 में फिर समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़े लेकिन मोदी लहर में बीजेपी के फागू चौहान से चुनाव हार गए थे। वर्ष 2022 में सपा ने सुधाकर की जगह योगी के कैबिनेट से इस्तीफा देकर आए दारा सिंह चौहान को यहां से उतारा। चौहान चुनाव जीते लेकिन एक साल बाद ही इस्तीफा देकर दोबारा भाजपा में चले गए। ऐसे में यहां उपचुनाव का ऐलान हुआ तो सपा ने फिर से सुधाकर सिंह पर भरोसा जताया। उनका मुकाबला भाजपा की तरफ से उतरे दारा सिंह चौहान से ही हुआ। योगी सरकार और भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गए इस चुनाव में सुधाकर सिंह ने दारा सिंह चौहान को हराकर तीसरी बार विधायक बने थे।

एनसीपीसीआर ने पिछले महीने देशभर में बचाए 2300 से अधिक बच्चे

ईटानगर, एजेंसी।राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने कहा कि उसने पिछले महीने करीब 26 हजार मामलों का निपटारा किया है और देशभर से 2,300 से अधिक बच्चों को बचाया है। एनसीपीसीआर के किशोर न्याय, बाल यौन शोषण (पॉक्सो) और विशेष प्रकोष्ठ के प्रमुख पारेश शाह ने कहा कि बाल अधिकारों का उल्लंघन केवल आंकड़े नहीं है।हर मामला एक बच्चे और उसके परिवार की कहानी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की ओर से प्रभावी कार्रवाई केवल ब्चों के जीवन को नहीं बल्कि देश के भविष्य को भी प्रभावित करती है।शाह ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें अरुणाचल प्रदेश के हर बच्चे की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।लेकिन केवल सख्त कानून पर्याप्त नहीं हैं।इसके लिए मजबूत निगरानी, जागरूकता और समन्वित क्रियान्वयन भी जरूरी है। आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन के दौरान कही गई।

गुनहगार तो कुछ ही हैं, लेकिन बदनाम हर कश्मीरी को किया जा रहा; उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि कुछ लोगों द्वारा की गई आतंकी हरकत की वजह से पूरे कश्मीर घाटी के लोगों यानी सभी कश्मीरियों को न सिर्फ बदनाम किया जा रहा है बल्कि उन्हें निशाने पर लिया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि कश्मीरियों की इस तरह की जा रही प्रोफाइलिंग ने उन्हें क्षेत्र के बाहर के किसी भी व्यक्ति से बातचीत करने से रोक दिया है। उन्होंने ये बातें दिल्ली में लाल किला के पास हुए आत्मघाती कार धमाके के लिए जिम्मेदार सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल के संदर्भ में कही हैं, जिसमें कुछ डॉक्टर भी शामिल थे, जो जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं। कुछ लोग ही हैं। लेकिन माहौल ऐसा बनाया जा रहा है कि इसके लिए हम सभी ज़िम्मेदार हैं।' उन्होंने कहा कि केंद्र ने 2019 में कहा था कि 'सब कुछ रुक जाएगा ', लेकिन केंद्र द्वारा जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के

बाद भी कुछ नहीं बदला। उन्होंने कहा, 'मौजूदा स्थिति के बारे में हम क्या कह सकते हैं? अगर यह (आतंकवादी हमला) दिल्ली में नहीं हुआ होता तो यहाँ (कश्मीर) हो रहा होता।' उन्होंने आगे कहा कि आर्टिकल 370 हटने के बाद भी बम विस्फोट और नागरिकों की हत्याएँ नहीं रुक सकी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'हम चाहते हैं कि यह रुक जाए। हमने कश्मीर में बहुत खून-खराबा देखा है... मौजूदा हालात को देखते हुए, कोई भी अपने बच्चों को कश्मीर से बाहर नहीं भेजना चाहता। हर जगह लोग हम पर शक करते हैं। कश्मीरियों को बदनाम किया जा रहा है।' उन्होंने कहा, 'देखिए दिल्ली में क्या हुआ। इसके लिए कुछ लोग ज़िम्मेदार हैं। लेकिन ऐसा माहौल बनाया जा रहा है कि हम सब ज़िम्मेदार हैं। दिल्ली में जम्मू-कश्मीर में पंजीकृत गाड़ी चलाना अपराध माना जाता है। मुझे तो यह भी सोचना पड़ता है कि अपनी गाड़ी निकालूँ या नहीं। मुझे नहीं पता कि कौन मुझे रोकेगा और पूछेगा कि मैं कहाँ से हूँ और वहाँ क्या कर रहा हूँ। ' मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को दावा किया कि जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने से केंद्र शासित प्रदेश में रक्तपात बंद नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। अब्दुल्ला ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में संवाददाताओं से कहा, 'हम चाहते हैं कि यह (हिंसा का दौर) रुके।

दिन दहाड़े करोड़ों रुपये की लूट, एटीएम फंड ले जा रही गाड़ी को बनाया निशाना

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के बेंगलुरु में मंगलवार को डकैती की बड़ी घटना को अपराधियों ने अंजाम दिया। एटीएम फंड ले जा रही सीएमएस कैश वैन को जयनगर के अशोक स्तंभ के पास दिनदहाड़े रोककर करोड़ों रुपये लूट लिए गए। इस मामले में 47 वर्षीय विनोद चंद्रार द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता विनोद चंद्रार ने बताया कि वह सीएमएस इनफो सिस्टम्स लिमिटेड, एचबीआर लेआउट, बेंगलुरु में शाखा प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। कंपनी प्रतिदिन जेपी नगर, एमजी टावर, सरक्की मेन रोड, आईटीआई लेआउट स्थित एचडीएफसी बैंक करेंसी से नकदी निकालती है और उसे बेंगलुरु के एचडीएफसी बैंक एटीएम में जमा करने के लिए अपने वाहन से पहुंचाती है। 10 नवंबर को सुबह करीब साढ़े नौ बजे, कस्टोडियन आफताब की निगरानी में कंपनी की गाड़ी ड्राइवर विनोद कुमार और गनमैन राजन्ना व तम्मय्या के साथ बैंक के लिए निकली। दोपहर करीब 12:24 बजे उन्होंने जेपी नगर 'एचडीएफसी करेंसी चेस्ट' से 7,11,00,000 रुपए (सात करोड़ ग्यारह लाख रुपये) निकाले, नकदी को डिब्बों में भरा और गाड़ी से निकले। जब शिकायतकर्ता और सीएमएस एफआईटी मैनेजर फारूक पाशा अपनी शाखा में मौजूद थे, तब ड्राइवर बिनोद कुमार ने फारूक पाशा को फोन किया और बताया कि जयनगर अशोक स्तंभ होते हुए लालबाग सिद्धपुरा गेट की ओर जाते समय एक इनोवा कार ने उनकी गाड़ी को रोक लिया। उन्हें गाड़ी से बाहर निकलने को कहा। उन्होंने कस्टोडियन आफताब और गनमैन राजन्ना व तम्मय्या को अपनी इनोवा में बिठा लिया। इसके बाद ड्राइवर को अकेले ही कैश गाड़ी चलाने के लिए कहा। यह पता नहीं चल पाया है कि तीनों कर्मचारियों को कहां ले जाया गया। बाद में पिस्तौल से लैस इन लोगों ने कथित तौर पर ड्राइवर को धमकाया और डेयरी सर्कल फ्लाईओवर पर गाड़ी से पूरे 7.11 करोड़ रुपए लूट लिए और फरार हो गए।

शायद नतीजा बेहतर होता; प्रशांत किशोर ने मान ली बिहार चुनाव में अपनी एक गलती

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव में एक भी सीट हासिल न करने वाले प्रशांत किशोर ने अपनी एक गलती स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि मैंने खुद इस चुनाव में उतरने का फैसला नहीं लिया और इसे मेरी गलती माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि मैंने उम्मीद नहीं की थी कि मेरी पार्टी को 4 फीसदी से भी कम वोट हासिल होंगे। उन्होंने कहा कि हमें संतोषजनक नतीजे हासिल करने के लिए शायद और अधिक मेहनत करने की जरूरत थी। हमने सोचा भी नहीं था कि 4 फीसदी से भी कम वोट जनसुराज पाएगी। उन्होंने बुधवार कहा कि हम भविष्य में मेहनत करते रहेंगे और आगे की चुनावी लड़ाई के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं।

प्रशांत किशोर ने एक इंटरव्यू में कहा कि मैं बिहार के लोगों का दिल जीते बिना पीछे नहीं हट सकता। मुझे बिहार की समस्याओं को हल करना है और

इसका मैंने संकल्प लिया है। हालांकि मैं यह नहीं जानता हूं कि इसमें कितना समय लगने वाला है। इससे पहले प्रशांत किशोर चुनावी हार के बाद कई दिन तक चुप्पी साधे रहे थे। फिर वह मंगलवार को मीडिया के सामने आए तो तमाम सवालों का जवाब करना पड़ा था। इस पर उनसे पहला सवाल ही हुआ कि क्या वह अब जिम्मेदारी छोड़ देंगे।

किसानों को मिलेगा 3 गुना ज्यादा मुआवजा

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ सरकार ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के सर्किट रेट या गाइडलाइन दरों में संशोधन कर दिया गया है। साल 2017-18 के बाद पहली बार यह संशोधन किया गया है, जिससे किसानों, भूमिस्वामियों और आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। गाइडलाइन नियम 2000 के अनुसार दरों का प्रतिवर्ष पुनरीक्षण आवश्यक है, लेकिन सात सालों से संशोधन न होने के कारण वास्तविक बाजार मूल्य और गाइडलाइन दरों में भारी अंतर हो गया था। इससे किसानों, संपत्ति धारकों और ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के नागरिकों को मूल्यांकन, मुआवजा और बैंक लोन में नुकसान उठाना पड़ रहा था।

नगरीय क्षेत्रों में दरों को पहली बार सड़क के आधार पर निर्धारित किया गया है, ताकि एक ही सड़क और समान परिस्थितियों वाले क्षेत्रों की दरें समान रहें। अब आम नागरिकों के लिए दरों को समझना सरल होगा। जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में सभी गाँवों की दरों को नक्शे में प्रविष्ट कर तर्कसंगत और समान परिस्थितियों वाले गाँवों की दरें

एकरूप बनाई गई हैं। राज्य में बने नए हाईवे, कॉलोनियों और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भी अब वैज्ञानिक मैपिंग के आधार पर उचित दरें तय की गई हैं।

नगरीय क्षेत्रों में गाइडलाइन दरों में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के हित में 50 से 300 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है। इससे किसानों को भूमि अधिग्रहण में तीन गुना तक अधिक मुआवज़ा मिलेगा तथा संपत्ति के आधार पर बैंक लोन की उपलब्धता भी बढ़ेगी।

पंजीयन मंत्री ओ. पी. चौधरी ने कहा कि यह संशोधन जनता के हित को सर्वोपरि रखते हुए पूर्ण पारदर्शिता से किया गया है। उन्होंने बताया कि 2017-18 के बाद संशोधन न होने से गंभीर असंतुलन उत्पन्न हो गया था, जिससे किसान, भूमिस्वामी और आम नागरिक प्रभावित हो रहे थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह निर्णय किसानों और आम नागरिकों के हित में अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। नई दरें न्यायसंगत मूल्यांकन सुनिश्चित करेंगी, भूमि अधिग्रहण में अधिक मुआवज़ा दिलाएँगी और संपत्ति के वास्तविक मूल्य के अनुरूप बैंक लोन उपलब्ध कराने में सहायक होंगी। उन्होंने कहा कि सरकार की स्पष्ट मंशा है कि किसी भी नागरिक को उसकी संपत्ति के उचित मूल्य से वंचित न होना पड़े और भविष्य में कोई विसंगति या भ्रम की स्थिति न बने। सरकार का यह निर्णय राज्य के आर्थिक परिवेश को अधिक संतुलित, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

13 बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने पर एफआईआर दर्ज: SDEO

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। सौरभ भट्ट अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) /उप जिला निर्वाचन अधिकारी, गाजियाबाद ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया कि वर्तमान में सम्प्रति चल रहे विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत गणना अवधि में बी.एल.ओ. द्वारा घर-घर भ्रमण कर निर्वाचकों से भरे हुए गणना प्रपत्र प्राप्त करने एवं बी.एल.ओ. एप पर डिजिटाइज किये जाने सम्बन्धी कार्य में 13 बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा लापरवाही बरतने/शिथिलता बरतने के सम्बन्ध में उप जिलाधिकारी सदर/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 55-साहिबाबाद द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी गयी है। उक्त के क्रम में जनपद गाजियाबाद की विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में नियुक्त बूथ लेवल अधिकारियों को सूचित किया जाता है कि निर्वाचन सम्बन्धी कार्य में लापरवाही/शिथिलता बरतने पर सम्बन्धित बी.एल.ओ. के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने सम्बन्धी कार्यवाही की जायेगी तथा उक्त प्रकरण का निश्तारण भारत निर्वाचन आयोग के अनुमोदन उपरान्त ही सम्भव होगा।अतः समश्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के बूथ लेवल अधिकारी सम्प्रति चल रहे विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत की जाने वाली गतिविधियों में यदि किसी बी.एल.ओ./ सुपरवाइजर/ सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीरकण अधिकारी द्वारा लापरवाही/शिथिलता बरतने पर आगे भी कठोर कार्यवाही करते हुए प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी जायेगी।

छात्र पर हमला कर हत्या की कोशिश, केस दर्ज

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में छात्र पर हमला कर हत्या के प्रयास का मामला सामने आया है। गंभीर रूप से घायल छात्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के संबंध में छात्र के पिता ने थाने में शिकायत दी। पुलिस ने पिता-पुत्र और अन्य अज्ञात हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र के कृष्णा नगर बागू में रहने वाले विरेंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा रितेश 19 नवंबर की सुबह करीब नौ बजे पढ़ने के लिए सुंदरदीप कॉलेज गया था। शाम करीब साढ़े पांच बजे परिजनों को सूचना मिली कि रितेश अस्पताल में भर्ती है। अस्पताल पहुंचने पर रितेश ने बताया कि देव कुमार ठाकुर, उसके बेटे शोभित ठाकुर और कुछ अन्य लोगों ने उसे एबीईएस कॉलेज के पास रोक लिया था और उसके साथ मारपीट की। रितेश के मुताबिक हमलावरों की पिटाई से वह बेहोश हो गया। उसके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं और बाएं पैर की हड्डी टूट गई है। विरेंद्र सिंह का कहना है कि उनके बेटे की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे निगरानी में रखा है। सीओ वेव सिटी प्रियाश्री पाल का कहना है कि शिकायत पर देव कुमार ठाकुर, उनके बेटे शोभित ठाकुर और अन्य अज्ञात हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया।

बदमाशों ने सरेराह युवक से चेन छीनी

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में क्लीनिक से फीजियोथेरेपी करवाकर लौट रहे युवक से बदमाशों ने चेन झपट ली। घटना छह नवंबर की है, पुलिस ने 19 नवंबर को मुकदमा दर्ज किया है। वसुंधरा सेक्टर दो में रहने वाले गौरव पाठक के अनुसार वह छह नवंबर को वसुंधरा सेक्टर तीन से फीजियोथेरेपी करवा कर पैदल ही वापस लौट रहे थे। इस दौरान राश्ते में एक बदमाश ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली और फरार हो गया। गौरव ने थाने पर तहरीर दी। पुलिस ने 19 नवंबर की रात में मुकदमा दर्ज किया है। सीओ इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाशतव का कहना है कि फुटेज के आधार पर बदमाश की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

कृषि भूमि दिलाने के नाम पर 48 लाख ठगने का आरोपी गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मुरादनगर के गांव कन्नौजा में कृषि भूमि दिलाने के नाम पर 48 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गांव सदरपुर निवासी सचिन कुमार ने रामकिशन सहित अन्य लोगो से कृषि भूमि का सौदा किया था। पेशगी के तौर पर 48.80 लाख रुपये दिए और बाकी रकम बैनामा के समय देने की बात तय हुई। सचिन ने बताया कि पता चला कि रामकिशन ने जमीन का इकारनामा किसी अन्य से भी कर रखा है। जब रुपये वापस मांगे तो आरोपियों ने सरिया मारकर सिर फोड़ दिया। पुलिस ने रामकिशन, दिपांशु, तरुण, नेहा, तन्नु के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। सीओ मसूरी ने आरोपी रामकिशन को गिरफ्तार कर लिया गया।

घर के सामने टेंट लगाने का विरोध करने पर मारपीट

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। सेक्टर-46 में पड़ोसी पर धार्मिक आयोजन के दौरान टेंट लगाकर पड़ोसी का राश्ता रोकने और विरोध करने पर मारपीट करने का आरोप लगा है। पीड़ित युवती की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-46 में रहने वाली ऐशना कपूर ने पुलिस को बताया कि पड़ोस में रहने वाले वाईपीएस चौहान ने 18 नवंबर को धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन कराया। इसके लिए घर के आगे टेंट लगाकर राश्ता रोक दिया गया। आरोप है कि जब टेंट हटाने का विरोध किया तो गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़िता ने जब आरोपियों की अभद्रता को मोबाइल से कैमरे में कैद करने का प्रयास किया तो वाईपीएस चौहान के बेटे निशांत चौहान ने मोबाइल फोन छीन लिया और अभद्रता की। यही नहीं, निशांत की मां सुशीला ने पीड़िता के साथ मारपीट की। आरोपी परिवार के तीनों सदस्यों ने ऐशना और उसकी मां के साथ अभद्रता की। इसके चलते पीड़िता का परिवार भयभीत है।

वायु प्रदूषण फैलाने वालों पर 7.3 लाख का जुर्माना

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने धूल उड़ाने वालों पर गुरुवार को 7.3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। नोएडा प्राधिकरण पर भी कार्रवाई की गई। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम एक हफ्ते से लगातार कार्रवाई कर रही है।

नोएडा में निर्माणाधीन मकान की ढह गिरने से चार मजदूरों की मौत

मकान मालिक के खिलाफ मामला दर्ज

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷

उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर जिले के थाना रबूपुरा क्षेत्र में निर्माणाधीन तीन मंजिला मकान की 'शटरिंग' खोलते समय बुधवार को छत गिरने की घटना में मारे गए मजदूरों की संख्या बढ़कर चार हो गई है।

पुलिस ने बताया कि छत गिरने के बाद मजदूरों को राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनसीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की सहायता से मलबे से बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने पहले एक मजदूर की मौत होने की जानकारी दी थी। उसने बाद में बताया कि तीन और मजदूरों की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मकान मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है और उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के प्रवक्ता ने बताया कि यह घटना थाना रबूपुरा क्षेत्र के नगला हुकुम गांव में महाबीर नामक व्यक्ति के निर्माणाधीन मकान में हुई जहां दोपहर के समय लेंटर की शटरिंग खोले जाने के दौरान छत अचानक गिर पड़ी और कई मजदूर मलबे के नीचे दब गए। उन्होंने बताया कि बुधवार दोपहर से शुरू हुआ बचाव एवं राहत कार्य बृहस्पतिवार सुबह तक जारी रहा।

उन्होंने बताया कि मजदूरों की पहचान जीशान (22), शाकिर (38), कामिल (20), नदीम (25), दानिश (21), फरदीन (18), शकील (38), कामिल (20), नदीम (30) और जीशान (22) के रूप में की गई। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों ने उपचार के दौरान जीशान ,शाकिर, नदीम और कामिल को मृत घोषित कर दिया।

बिजली समाधान मेगा कैंप में उमड़ी उपभोक्ताओं की भीड़, मौके पर ही बिल संशोधन और जमा

✷ **एनसीआर टुडे. झालू** ✷

नगर के विद्युत कार्यालय परिसर में आयोजित बिजली समाधान मेगा कैंप उपभोक्ताओं के लिए बेहद लाभदायक सिद्ध हुआ। शिविर के शुरू होते ही ग्रामीणों एवं शहरी उपभोक्ताओं की लंबी कतारें लग गईं।

लोग अपने बिजली बिलों में आई त्रुटियों के समाधान, रीडिंग से जुड़ी समस्याओं, अधिक बिल आने की शिकायतों और अन्य तकनीकी मुद्दों को लेकर कैंप में पहुंचे। विभाग ने भी पूरी तत्परता के साथ कार्य करते हुए उपभोक्ताओं को तत्काल राहत देने का प्रयास किया। कैंप में उपखंड अधिकारी द्वितीय अरविंद कुमार बिंद, अवर अभियंता सुदेश कुमार तथा विद्युत विभाग की पूरी टीम मौजूद रही। अधिकारियों ने प्रत्येक उपभोक्ता की समस्या को व्यक्तिगत रूप से सुना और मौके पर ही निश्तारण सुनिश्चित किया। कई उपभोक्ताओं के बिल संशोधित करके तुरंत ही जमा कराए गए, जिससे लोगों में संतोष देखने को मिला। शिविर में बड़ी संख्या में बिलों के सुधार, मीटर रीडिंग की त्रुटि के निराकरण, गलत सरचार्ज हटाने तथा पुराने बकाया के सत्यापन जैसे कार्य तेजी से संपन्न किए गए। इसके साथ ही उपभोक्ताओं को ऑनलाइन भुगतान, बिल हिस्ट्री और भविष्य में शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की विश्तृत जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। अधिकारियों ने बताया कि विभाग की प्राथमिकता उपभोक्ताओं को त्वरित और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराना है।

कैंप में पहुंचे लोगों ने विभागीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से समय और धन दोनों की बचत होती है। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि उन्हें महीनों से लंबित समस्याओं का समाधान कुछ ही मिनटों में मिल गया। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इस प्रकार के शिविर नियमित तौर पर आयोजित होते रहें, ताकि उपभोक्ताओं को दफ्तर के चक्कर न लगाने पड़ें।

वहीं विभागीय अधिकारियों ने आश्वश्त किया कि उपभोक्ता हित में ऐसे समाधान कैंप आगे भी समय-समय पर आयोजित किए जाएंगे, जिससे बिजली सेवाओं में पारदर्शिता और सुविधा बनी रहे।

BLO ने घर–घर जाकर मतदाताओं के फार्म भरे

✷ **एनसीआर टुडे. नूरपुर** ✷

नगर क्षेत्र में चल रहे एसआईआर अभियान के तहत मोहल्ला गोविंदनगर

में बीएलओ द्वारा मतदाताओं को उनके वोटर आईडी से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई।

बीएलओ शाहिद हुसैन मोहल्ले में घर–घर पहुंचे और मतदाताओं के दशतावेज़ों की जांच करते हुए आवश्यक फार्म भरवाए।

इस दौरान मतदाताओं में अपने वोट को सही कराने और संशोधन कराने को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। लोगों ने बीएलओ के प्रयास की सराहना करते हुए बिना किसी कठिनाई के अपने फॉर्म जमा कराए।प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान से नागरिकों को अपने मताधिकार के प्रति और अधिक जागरूक किया जा रहा है।

गौतमबुद्धनगर पुलिस ने 4 करोड़ से अधिक कीमत के 846.30 किलो नशीले पदार्थों को नष्ट किया

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷

पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में नशीले पदार्थों के खिलाफ बड़ी और प्रभावी कार्रवाई की गई। विभिन्न थानों में एनडीपीएस एक्ट के तहत पंजीकृत अभियोगों में जब्त किए गए कुल 846.3091 किलोग्राम मादक पदार्थों का नियमानुसार विनष्टीकरण (डिस्पोजल) अधिकृत एजेंसी के माध्यम से कराया गया।

जब्त किए गए इन नशीले पदार्थों की बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 4 करोड़ 29 लाख 30 हजार 470 रुपए बताई गई है। यह अभियान सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत जब्त की गई ड्रग्स को नियमानुसार सुरक्षित व वैज्ञानिक तरीके से नष्ट किया जाता है।

विनष्टीकरण प्रक्रिया की निगरानी डीसीपी नारकोटिक्स शैव्या गोयल के निर्देशन में और सीओ अपराध उमेश यादव और एसीपी लाइन्स राकेश प्रताप सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुई। कमिश्नरेट के 7 थानों में दर्ज कुल 149 अभियोगों से संबंधित गांजा, डोडा, चरस, एमडीएमए और डायजापाम टैबलेट्स को नष्ट किया गया। बताया गया है कि थाना एक्सप्रेसवे से 6 अभियोगों से 5.510 किलोग्राम गांजा, थाना बादलपुर से 19 अभियोगों से 11.390 किलोग्राम गांजा और 510 ग्राम डोडा, थाना सेक्टर 49 से 72 अभियोगों से 28.810 किलोग्राम गांजा, 2.925 किलोग्राम चरस, 8.27 मिली एमडीएमए और 100 गोलियां डायजापाम, थाना सेक्टर 58 से 1 अभियोग से 761 किलोग्राम गांजा (सबसे अधिक बरामद), थाना सेक्टर 142 से 2 अभियोगों से 2.850 किलोग्राम गांजा, थाना ईकोटेक-3 से 4 अभियोगों से 5.698 किलोग्राम गांजा और थाना बीटा-2 से 45 अभियोगों से 27.608 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया था।

इसमें थाना सेक्टर-58 क्षेत्र से जब्त 761 किलोग्राम गांजा अकेले ही करोड़ों रुपये मूल्य का था, जो गौतमबुद्धनगर पुलिस की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशीले पदार्थों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उद्देश्य यह है कि मादक पदार्थों के व्यापार और तस्करी पर पूरी तरह रोक लगाई जाए और संबंधित अभियोगों में जब्त सामान को सुरक्षित तरीके से समय पर नष्ट किया जाए ताकि अपराधियों पर कानूनी शिकंजा और मजबूत हो सके। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव से बचाने तथा जिले में ड्रग नेटवर्क को समाप्त करने के लिए सख्त और लगातार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम जनता से भी अपील की है कि नशे से संबंधित किसी भी सूचना को बिना हिचक पुलिस के साथ साझा करें।

डबल वोट वालों की खैर नहीं BLO की रिपोर्ट पर होगी कार्रवाई

✷ **एनसीआर टुडे. चांदपुर** ✷

जिले में मतदाता सत्यापन अभियान पूरे जोर पर है। इसी क्रम में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) वान्या सिंह ने दोहरी वोटिंग के मामलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए साफ चेतावनी दी है कि यदि कोई मतदाता एक से अधिक स्थानों पर SIR फॉर्म भरता है या दो जगह वोट दर्ज कराने की कोशिश करता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी और उसे एक वर्ष तक की सजा भी हो सकती है।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चला रहा है, इसलिए किसी भी प्रकार की दोहरी प्रविष्टि बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एक ही स्थान पर भरें SIR फॉर्म–ADM की सख्त हिदायत

अपर जिलाधिकारी ने बताया कि कई मतदाताओं के नाम पहले से एक से अधिक जगह दर्ज मिल रहे हैं। ऐसे सभी मतदाता सिर्फ एक ही स्थान पर अपना SIR फॉर्म भरें, अन्यथा यह कानूनी अपराध माना जाएगा। उन्होंने कहा—"चुनावी प्रक्रिया की शुचिता बनाये रखना हमारी प्राथमिकता है, इसलिए नियमों का कड़ाई से पालन किया जाएगा।"

दश्तावेज नहीं तो भी तुरंत जमा करें फॉर्म वान्या सिंह ने यह भी अपील की कि जिन मतदाताओं के पास अभी सभी दश्तावेज उपलब्ध नहीं हैं, वे नाम, मोबाइल नंबर तथा माता-पिता का नाम भरकर फॉर्म तुरंत जमा करें।

ड्राफ्ट पब्लिकेशन के बाद शेष दस्तावेज देकर फॉर्म पूरा किया जा सकता है।

उन्होंने चेतावनी दी कि—"पूरा फॉर्म भरने के इंतजार में देरी मत करें, अन्यथा बाद में परेशानी हो सकती है।"

2003 की वोटर लिस्ट वाले मतदाताओं को विशेष निर्देश

ADM ने बताया कि जो मतदाता 2003 या उससे पहले से पंजीकृत हैं, उन्हें SIR फॉर्म 2003 की वोटर लिस्ट के अनुसार ही भरना अनिवार्य

निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर 'Search Your Name In Last SIR' टैब में राज्य, जिला, विधानसभा क्षेत्र, बूथ/भाग संख्या के आधार पर जानकारी आसानी से उपलब्ध है।

स्टोर से 16 लाख का सामान चोरी

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷

ग्रेनो वेस्ट में गौर सिटी मॉल स्थित स्टोर से 16 लाख रुपये का सामान चोरी हो गया। बदमाशों ने स्टोर का दरवाजा तोड़कर घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रविंद्र चौहान ने गौर सिटी मॉल स्थित रिलायंस स्मार्ट बाजार में मैनेजर हैं। उन्होंने बिसरख कोतवाली पहुंचकर बताया कि उनके स्टोर से कुछ दिनों से घी के डिब्बे, बादाम की पैकेट, क्रीम, बटर, लोशन, कीमती कपड़े और अन्य सामान चोरी हो रहा है। पीड़ित के अनुसार स्टोर से अब तक करीब 16 लाख रुपये का सामान चोरी हो चुका है। वहीं, बिसरख कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खाते से रकम निकाली

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷

साइबर अपराधियों ने ग्रीन व्यू अपार्टमेंट चिपियाना निवासी दिलीप कुमार के कोटक महिंद्रा बैंक के क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 10 नवंबर को रकम निकली ली। यह पेमेंट गुरुग्राम स्थित एक कंपनी में हुई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है।

बैंको की मनमानी सरकार की लापरवाही के कारण

बैंकों में ऋण लेने के लिए भटक रहे युवा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

केंद्र और राज्य सरकार की तीन योजनाओं में स्वरोजगार शुरू करने के लिए युवाओं ने आवेदन किए, जिससे उन्हें ऋण मिल सके और वे अपना काम शुरू कर सकें। लेकिन प्रदेश सरकार की लचर व्यवस्था और बैंकों की मनमानी के चलते युवा दर-दर भटक रहे है।

अप्रैल से लेकर अभी तक करीब 140 युवाओं को ही ऋण मिल सका है। वित्तीय वर्ष में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना और एक जनपद-एक उत्पाद योजना में करीब 1200 युवाओं ने आवेदन किए, जिनमें से करीब 140 लोगों को ही ऋण मिल सका है।

बाकी आवेदन बैंकों ने अस्वीकृत कर दिए या फिर ऋण की फाइल लंबित है। आवेदन ऋण के लिए संबंधित विभागों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन युवाओं को ऋण नहीं मिल पा रहा है। विभागीय अधिकारी आवेदकों को बैंक में भेज देते हैं और बैंक अधिकारी संबंधित विभाग में जाने के लिए कहते हैं। जिला प्रशासन ने भी बैंकों को ऋण की फाइल लंबित न करने के कड़े निर्देश दिए हैं। बावजूद इसके लाभार्थियों को ऋण नहीं मिल रहा है। लीड बैंक मैनेजर का कहना है कि पात्र लाभार्थी को प्राथमिकता के साथ योजनाओं में ऋण दिया जा रहा है। अगर किसी पात्र की फाइल में कमी है, तो उसे दूर कराया जा रहा है।

एकता यात्रा में लोगों ने प्रतिभाग कर देशभक्ति का संदेश दिया

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में गुरुवार को भाजपा की रन फॉर यूनिटी यात्रा में हजारों की संख्या में लोगों ने एकता और अखंडता का संदेश दिया। यात्रा नवयुग मार्केट स्थित शहीद पथ से शुरू होकर प्रताप विहार स्थित स्वदेशी चौक पर संपन्न हुई।

नवयुग मार्केट स्थित शहीद चौक से रन फॉर यूनिटी यात्रा का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार में मंत्री नरेंद्र कश्यप, सांसद अतुल गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि स्थानीय समस्याओं का समाधान क्षेत्रीय भागीदारी के बिना संभव नहीं है। यह पदयात्रा समाज और शासन के बीच सेतु का कार्य करेगी और सकारात्मक संवाद का माध्यम बनेगी।

वहीं, सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि शहर विधानसभा की यह पदयात्रा आत्मनिर्भर भारत, स्थानीय उद्यमों के प्रोत्साहन और सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। जनता की सहभागिता ही वाश्तविक विकास का आधार है। जैसे-जैसे एकता यात्रा आगे बढ़ी, शहर की सड़कों पर एक भारत श्रेष्ठ भारत, देश की एकता हमारी पहचान जैसे नारों की गूंज सुनाई दे रही थी। यात्रा के दौरान लोग हाथों में तिरंगा और बैनर लेकर आगे बढ़ रहे थे। इस दौरान पूरा मार्ग देशभक्ति के रंग में रंग गया। कलाकारों ने लोक नृत्य, सुंदर-सुंदर झांकियों के माध्यम से भारत की विविधता में एकता का सुंदर चित्र प्रश्तुत किया। यात्रा में कई विद्यालयों के छात्रों के अलावा एनसीसी के भी छात्रों ने हिस्सा लिया था।

इस दौरान भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, सदर विधायक संजीव शर्मा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी, पूर्व अध्यक्ष बलदेव राज शर्मा, पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी, आशु वर्मा, आशा शर्मा, विजय मोहन, पवन गोयल, बृजपाल तेवतिया, अमर दत्त शर्मा, सरदार एस.पी. सिंह, पप्पू पहलवान, राजीव शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जगह-जगह यात्रा का स्वागत किया यात्रा नवयुग मार्केट से शुरू होकर चौपला मंदिर, रमते राम रोड, चौधरी मोड़ होते हुए रेलवे आरओबी होते हुए प्रताप विहार स्थित स्वदेशी चौक तक गई। चौपला मंदिर से रमते राम रोड तक इस एकता यात्रा का कई जगहों पर भव्य स्वागत किया गया। सिख समुदाय के अलावा अन्य लोगों ने भी यात्रा में शामिल युवाओं पर पुष्प वर्षा की, जिससे एकता यात्रा में शामिल लोगों का उत्साह और बढ़ गया।

वाहन चेकिंग से नूरपुर में बढ़ा जाम, व्यापार प्रभावित

✷ **एनसीआर टुडे. नूरपुर** ✷

शहर में इन दिनों वाहन चेकिंग अभियान के दौरान लगातार जाम की समस्या बढ़ती जा रही है। जिससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ व्यापारियों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।जाम के कारण बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित होने से व्यापार पर सीधा असर दिखाई दे रहा है।स्थिति की जानकारी मिलते ही राष्ट्रीय लोक दल (RLD) के क्षेत्रीय महासचिव चौधरी अजयवीर एडवोकेट मौके पर पहुंचे और व्यापारियों एवं स्थानीय लोगों से बातचीत की।

उन्होंने बताया कि वाहन चेकिंग आवश्यक है, लेकिन इसे इस तरह संचालित किया जाना चाहिए कि आम जनता और व्यापार प्रभावित न हों। चौधरी अजयवीर ने संबंधित अधिकारियों से इस मुद्दे पर वार्ता कर समाधान निकालने की मांग की, ।ताकि शहर में सुचारू यातायात व्यवस्था बनी रहे और लोगों को राहत मिल सके।

जहरीली हवा ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, नोएडा-गाजियाबाद के कई इलाकों में एक्यूआई 400 पार

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

दिल्ली समेत पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण ने एक बार फिर से लोगों की सांसें अटका दी हैं। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद जैसे शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 के पार पहुंच गया है, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है।

इस श्तर पर वायु प्रदूषण न केवल स्वस्थ लोगों को प्रभावित करता है, बल्कि पहले से बीमार लोगों की स्थिति और भी गंभीर बना सकता है। नोएडा में स्थिति विशेष रूप से खराब है। शहर के चारों सक्रिय मॉनिटरिंग स्टेशनों ने एक्यूआई के उच्च श्तर दर्ज किए हैं।

नोएडा के सेक्टर-116 में एक्यूआई 439, सेक्टर-1 में 424, सेक्टर-125 में 424 और सेक्टर-62 में 347 दर्ज किया गया है। ग्रेटर नोएडा की स्थिति भी बेहतर नहीं है, जहां नॉलेज पार्क-5 का एक्यूआई 442 और नॉलेज पार्क-3 का एक्यूआई 335 दर्ज किया गया।

गाजियाबाद के प्रदूषण श्तर ने भी चिंता बढ़ा दी है। लोनी में 443 तक पहुंच गया है, जो क्षेत्र में सबसे अधिक है। वहीं, इंदिरापुरम में 428, वसुंधरा में 429 और संजय नगर में 420 दर्ज किया गया।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली भी इस जहरीली हवा से अछूती नहीं है। शहर के विभिन्न हिस्सों जैसे पूसा, आरके पुरम, रोहिणी, शादीपुर, सिरीफोर्ट, सोनिया विहार, श्री अरबिंदो मार्ग, विवेक विहार और वजीरपुर आदि इलाकों में वायु गुणवत्ता 'गंभीर' या 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज की गई है।

नोएडा प्राधिकरण का दावा है कि वह लगातार स्प्रिंकलर और अन्य उपलब्ध साधनों के माध्यम से प्रदूषण को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहा है। आयोग वायु गुणवत्ता प्रबंधन (सीएक्यूएम) की ओर से 14 अक्टूबर को ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) लागू होने के बाद से प्राधिकरण की तरफ से मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित कराया जा रहा है। 19 नवंबर को, प्राधिकरण की 14 टीमों ने नोएडा क्षेत्र के विभिन्न सेक्टरों और गांवों में 95 स्थलों का निरीक्षण किया और लोगों को ग्रेप दिशा-निर्देशों व एनजीटी नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए 59 टैंकरों के माध्यम से 234.10 किलोमीटर लंबे मुख्य मार्गों पर शोधित जल का छिड़काव किया गया। इसके अलावा, 14 मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों से 340 किलोमीटर सड़कों की सफाई की गई और 23 टैंकरों से पेड़-पौधों की धुलाई का काम कराया गया। अलग-अलग निर्माण स्थलों पर 88 एंटी-स्मॉग गन और 10 ट्रक माउंटेड एंटी-स्मॉग गन संचालित की गईं। साथ ही, 76.15 टन सी एंड डी वेस्ट (निर्माण और विध्वंस कचरे) का उठान और प्रसंस्करण किया गया।

प्राधिकरण की टीमें प्रतिदिन निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर रही हैं और दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई और जुर्माना लगाया जा रहा है।

संपादकीय

आतंक की खतरनाक साजिश से निबटने के लिए सतर्कता जरूरी

देश को एक बार फिर देश में ही छिपे गद्दारों के जरिए विदेशी मदद से आतंकवाद की आग में झोंकने की बड़ी साजिश की जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर पदस्थ होते ही डोनाल्ड ट्रम्प ने जिस तरह भारत के खिलाफ ट्रेड टैरिफ का हथियार इस्तेमाल किया लेकिन भारत नहीं झुका इसके बाद ट्रंप की सनक बढ़ गई और उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख के साथ रिश्ते बढ़ाकर दबे पांव भारत में अस्थिरता के बीज बोने की नाकाम कोशिश शुरू कर दी।

आपको पता है कि 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में 26 हिन्दू पर्यटकों की हत्या और 10 नवम्बर, 2025 को दिल्ली में लाल किले के निकट आत्मघाती कार बम विस्फोट द्वारा 15 निर्दोष लोगों की हत्या का कनैक्शन जैश-ए-मोहम्मद के साथ निकला है। इस बीच 15 नवम्बर को श्रीनगर के नौगाम पुलिस थाने में एक विस्फोट में 10 लोगों की मौत व 32 अन्य घायल हो गए। इनमें 27 पुलिस कर्मी हैं।

भारत में सफेद कोट माड्यूल बना कर जिस तरह एक समुदाय विशेष के दर्जनों उच्च शिक्षित डॉक्टरों के जरिए आतंक फैलाने की बड़ी साजिश की गई जिस का समय रहते भंडाफोड़ हो गया। इसके पीछे भी विदेशी मदद का हाथ है। हाल ही में अमेरिका के प्रयास से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के तालिबान के बीच समझौता करा कर भारत में ने सिरे से कश्मीर को मुद्दा बना कर वहां के शिक्षित युवाओं की भावनाओं को भड़का कर भारत में आतंकी वारदातों को अंजाम देने की साजिश रची जा रही हैं। तमाम आतंकी घटनाओं के बाद भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवादियों के विरुद्ध कार्रवाई तेज कर दी गई है जिसके तहत पिछले दिनों में गई गिरफ्तारियां तथा बरामदगियों से मामले की गंभीरता को समझा जा सकता है।

आपको बता दें 13 नवम्बर को कश्मीर के सोपोर से 2 हाईब्रिड आतंकवादियों शब्बीर अहमद नाजर तथा शब्बीर अहमद मीर को गिरफ्तार करके उनसे एक पिस्तौल, एक मैगजीन, 20 जिंदा राऊंड तथा 2 हथगोले बरामद किए गए। 13 नवम्बर को ही उत्तर प्रदेश के हापुड़ और फिरोजाबाद जिलों में 3 आरोपियों को गिरफ्तार करके उनसे 46 किलो हाईड्रोक्लोरिक एसिड और 2.5 किलोग्राम विस्फोटक बरामद किए गए।

13 नवम्बर को ही पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार करके उससे जिलेटिन की 20, 000 छड़ें बरामद की गईं। अतः क्या आतंकवादी दिल्ली की तरह बंगाल को दहलाने की कोशिश कर रहे थे? 14 नवम्बर को लाल किला विस्फोट में प्रयुक्त कार के आत्मघाती ड्राइवर डा. उमर नबी के पुलवामा जिले में स्थित मकान को सुरक्षा बलों ने आई.ई.डी. से विस्फोट करके उड़ा दिया। 14 नवम्बर को ही अधिकारियों ने नूह से 2 और मैडीकल छात्रों मुस्तकीम तथा मोहम्मद को हिरासत में लिया। 15 नवम्बर को ही दिल्ली बम विस्फोट के सिलसिले में पठानकोट और नूह से 2 डाक्टरों रईस अहमद भट्ट तथा रेहान को हिरासत में लिया गया।

15 नवम्बर को ही अहमदाबाद (गुजरात) में गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते ने एक आतंकवादी गिरोह के लिए हथियारों की तस्करी करने में शामिल गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी बिल्ला को गिरफ्तार किया 15 नवम्बर को ही फिरोजपुर में भारत-पाक सीमा पर बी.एस.एफ. ने खेतों में 2 ड्रोन व पाकिस्तान से भेजी गई 549 ग्राम हैरोइन का पैकट बरामद किया। 16 नवम्बर को अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने पाक आधारित हथियार और नार्को नैटवर्क का पर्दाफाश करके 1.01 किलो हैरोइन और 6 आधुनिक पिस्तौलों सहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

16 नवम्बर को ही सी. आई.ए. ने सफेदपोश आतंकवादी माड्यूल मामले में जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में एक महिला डाक्टर के घर पर छापेमारी की और वहां से एक मोबाइल जब्त कर अपने साथ ले गई16 नवम्बर को ही राष्ट्रीय जांच ब्यूरो ने लाल किला कार बम विस्फोट के हमलावर डा. उमर उन नबी के साथी आमिर राशिद अली तथा अगले दिन 17 नवम्बर को एक अन्य साजिशकर्ता जसीर बिलाल वानी को गिरफ्तार किया। और अब 17 नवम्बर को सुरक्षा एजेंसियों को घटनास्थल पर एक जूता मिला है जिसमें अमोनियम नाईट्रेट तथा जरा सी गर्मी से फटने वाले अत्यंत खतरनाक विस्फोटक टी.ए.टी.पी. के अंश मिले हैं। इसे देखते हुए इस धमाके में जूता बम के इस्तेमाल का भी शक व्यक्त किया जा रहा है।

इसे पाकिस्तान का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि अपने देश की जनता की बदहाली दूर करने के लिए प्रयास करने की बजाय इसके शासक और सेना आतंकवादियों को पाल रही है और उनकी सहायता से भारत में तबाही मचा रही है। हालत यह है कि गरीबी के कारण पाकिस्तान में 2.5 करोड़ बच्चे स्कूलों से बाहर हो गए हैं जबकि 2 लाख बच्चे तो कभी स्कूल गए ही नहीं। इतना ही नहीं, पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार द्वारा फील्ड मार्शल असीम मुनीर के दबाव में सुप्रीमकोर्ट की शक्तियों को कम करने वाले विवादास्पद 27वें संविधान संशोधन के विरुद्ध 16 नवम्बर को वकीलों ने हड़ताल की।

हम मानते हैं आतंकवादियों द्वारा पहलगाम व दिल्ली आदि में मारे गए निर्दोषों की जान कभी वापस नहीं आ सकती है लेकिन इन वारदातों के बाद सरकार तथा सुरक्षा बलों ने पूरी ताकत से आतंकवादियों के विरुद्ध कार्रवाई करके अनेक लोगों का जीवन बचा लिया है। ये साजिश खत्म होने वाली नहीं है अभी भी खतरा टला नहीं है, देव असुर संग्राम थमने वाला नहीं है अतः आतंकवादियों तथा उनके मददगारों के विरुद्ध सफाये के अभियान को तब तक और तेजी से जारी रखा जाना चाहिए जब तक कि आतंकवादियों का समूल सफाया नहीं हो जाता वहीं देश के भीतर छिपे गद्दारों रेडिकलाइज चरम पंथी लोगों पर भी नजर रखनी होगी खासकर उन कट्टरपंथी मजहबी व्यक्तियों और संस्थानों पर जो अलफलाह यूनिवर्सिटी की तरह चरमपंथी षडयंत्र का अड्डा बन सकते हैं। भारत की खुफिया व सुरक्षा एजेंसियों को और अधिक तेज तर्रार तकनीकी युक्त प्रशिक्षण और अत्याधुनिक सुविधाओं व साधनों से समृद्ध करने की जरूरत है ताकि आतंक के बदलते चेहरे की पहचान और समय रहते खात्मा किया जाए।

कांग्रेस 'वोट चोरी' का मुद्दा नहीं छोड़ेगी

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा नहीं की है। राष्ट्रीय जनता दल ने समीक्षा बैठक बुलाई तो उसमें समीक्षा कुछ नहीं हुई, तेजस्वी यादव को विधायक दल का नेता चुना गया। उधर कांग्रेस ने चुनाव नतीजों की समीक्षा की बजाय मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की समीक्षा के लिए बैठक बुलाई।

कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में इस बैठक के लिए राहुल गांधी के पहुंचने की वीडियो कांग्रेस इकोसिस्टम ने सोशल मीडिया में खूब शेयर किया, जिसका कैप्शन था कि, 'तूफान आ रहा है, एसआईआर की सबसे बड़ी बैठक के लिए पहुंचे राहुल'।

वैसे भी राहुल गांधी को आंधी, तूफान, चट्टान और पता नहीं क्या क्या बताने का बड़ा सुनियोजित अभियान सोशल मीडिया में चल रहा है। बहरहाल, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में एसआईआर पर बैठक हुई, जिसमें दिसंबर के पहले हफ्ते में 'वोट चोरी' पर दिल्ली के रामलीला मैदान में एक बड़ी रैली करने का फैसला हुआ।

सोचें, राजनीतिक विमर्श की बजाय घूम फिर कर मामला 'वोट चोरी' पर पहुंच गया। ऐसा लग रहा है कि राहुल गांधी को चोरी शब्द से बहुत प्रेम है। पहले उन्होंने 'चौकीदार चोर है' का नारा लगाया था। उसके बाद उन्होंने 'सारे मोदी चोर होते हैं' की बात कही। फिर व्यापारी चोर हैं का नारा लगाया और अब चुनाव आयोग चोर है, जो 'वोट चोरी' करा रहा है की बात कर रहे हैं।

अभी तक चोरी के उनके आरोपों का कोई लाभ कांग्रेस को या उसकी सहयोगी पार्टियों को नहीं हुआ है। फिर भी 'वोट चोरी' का मुद्दा राहुल गांधी के समूचे राजनीतिक विमर्श का केंद्रीय मुद्दा है। असल में कांग्रेस पार्टी की लगातार हार की समीक्षा करने पर राहुल गांधी को सबसे आसान कारण 'वोट चोरी' का समझ में आ रहा है।

इसलिए वे इसी पर अड़े हैं। लेकिन यह बिल्ली को देख कर कबूतर के आंख बंद कर लेने वाली एप्रोच है। इस बात को राहुल गांधी और उनकी टीम नहीं समझ पा रही है। यह साधारण सी राजनीतिक बात पता नहीं क्यों कांग्रेस नेताओं को नहीं समझ में आ रही है कि वे अगर मेहनत करते, ईमानदारी से गठबंधन बनाते, राजनीतिक व सामाजिक वाश्तविकताओं को ध्यान में रख कर सीटों व टिकटों का बंटवारा करते, प्रचार में दम लगाते और उसके बाद हारते तो वोट चोरी के आरोपों पर लोगों को यकीन भी होता। लेकिन अगर पहले दिन से यह मैसेज हो कि कांग्रेस या उसके गठबंधन सहयोगी अच्छे तरीके से नहीं लड़ रहे हैं तो फिर 'वोट चोरी' के आरोपों पर कोई कैसे भरोसा करेगा? ध्यान रहे अच्छे से लड़ना चुनाव जीतने की गारंटी नहीं है लेकिन अच्छे से लड़ कर हारने पर लोगों की सहानुभूति मिलती है और समर्थन बढ़ता है। कांग्रेस यह काम नहीं कर पा रही है। बिहार का चुनाव ताजा मिसाल है। बिहार में कांग्रेस पहले दिन से अपने ही गठबंधन का खेल बिगाड़ने में लगी रही। उसने ऐन चुनाव से पहले तमाम जनाधार वाले नेताओं को हटा दिया और कांग्रेस में नौकरी करने वाले नेताओं को गठबंधन संभालने और चुनाव लड़ाने के काम में लगाया। तेजस्वी को रोकने के लिए सारे प्रयास किए तो लेफ्ट को उसका लेनिनग्राद कहे जाने वाले बेगूसराय में खत्म करने के लिए राहुल गांधी व प्रियंका गांधी वाड्रा दोनों ने पूरी मेहनत की।

बदले में लेफ्ट ने भी कांग्रेस की जीती हुई सीटों पर अपने उम्मीदवार देकर उसको हरवाया। राहुल ने बिना मतलब एसआईआर के मुद्दे पर 16 दिन बिहार में यात्रा की और उसके बाद 57 दिन तक बिहार का रुख नहीं किया।

वैसे भी बिहार चुनाव को लेकर कोई भ्रम कभी नहीं था। इस बार पहले दिन से कोई मुकाबला नहीं था। यह चुनाव 2010 की तरह पहले दिन से दिख रहा था। 2010 में केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी और एसवाई कुरैशी मुख्य चुनाव आयुक्त थे तो बिहार में जनता दल यू और भाजपा गठबंधन को 206 सीटें आई थीं। उस समय लालू प्रसाद और रामविलास पासवान एक साथ लड़े थे और कांग्रेस अलग लड़ी थी। उस चुनाव में एनडीए को 39 फीसदी वोट मिला था।

उसके बाद मोटे तौर पर हर चुनाव में उसका वोट इतना ही रहा। इस बार उसमें चिराग पासवान की वजह से नया वोट जुड़ा, जो चुनाव के पहले से जुड़ता दिख रहा था। सवाल है कि 2010 में 206 सीट मिलने पर कोई सवाल नहीं उठाने वाली कांग्रेस एक ज्यादा बड़े गठबंधन को 202 सीट मिलने पर 'वोट चोरी' के आरोप क्यों लगा रही है? इस तर्क के जवाब में ज्यादा समझदार लोग कहते हैं कि यह मामला इतना सरल नहीं है।

लेकिन इसकी जटिलता भी कोई नहीं समझा रहा है। कोई भी व्यक्ति यह नहीं समझा रहा है कि एसआईआर से 'वोट चोरी' कैसे हुई है?

अपनी हाइड्रोजन बम वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने बिहार के जमुई जिले के पांच लोगों को मंच पर बुलाया कि उनका नाम मतदाता सूची से कट गया है। सवाल है कि जब अंतिम मतदाता सूची जारी हुई और सुप्रीम कोर्ट के आदेश से उसको हर बूथ के हिसाब से वार्ड पार्षद के पास, प्रखंड में और चुनाव कार्यालय में उपलब्ध कराया गया और कहा गया कि अधिसूचना जारी होने तक लोग अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं तो इन लोगों ने आवेदन क्यों नहीं किया?

कांग्रेस या राजद के बूथ लेवल एजेंट्स ने इनके नाम जुड़वाने के लिए क्या कोई पहल की थी? यह नहीं बताया गया। हकीकत यह है कि अंतिम मतदाता सूची आने के बाद एक भी आपत्ति चुनाव आयोग को नहीं मिली।

उसके बाद यह पहली बार हुआ कि बिहार के एक भी मतदान केंद्र पर रिपोलिंग नहीं हुई। मतदान केंद्रों पर किसी पार्टी के किसी पोलिंग एजेंट ने बोगस वोटिंग की शिकायत नहीं की। इसके बाद भी राहुल गांधी कह रहे हैं कि 'वोट चोरी' के खिलाफ रैली करेंगे!

असल में एसआईआर के खिलाफ यात्रा या 'वोट चोरी' के खिलाफ रैली से राहुल गांधी कांग्रेस की कमजोरियां छिपा रहे हैं। कम से कम एसआईआर कोई चुनावी मुद्दा नहीं है और न एसआईआर के जरिए 'वोट चोरी' हो रही है। उलटे एसआईआर के जरिए 'वोट चोरी' का राश्ता बंद हो रहा है।

बोगस वोटिंग की शिकायत बिहार में इसलिए नहीं मिली क्योंकि बोगस नाम कट गए थे। हालांकि हो सकता है कि एसआईआर में कुछ कमियां हों। लेकिन उसका समाधान यह है कि पार्टियां अपने बूथ लेवल एजेंट्स के जरिए गड़बड़ियों को न्यूनतम रखने का प्रयास करें। 'वोट चोरी' के आरोप भी सोच समझ कर लगाना चाहिए। महात्मा गांधी ने जब चंपारण में पहला सत्याग्रह किया तो उसके बाद उन्होंने कहा था कि, 'सत्य इस रूप में सामने आना चाहिए कि उसे कहीं भी प्रश्तुत किया जा सके और वह गलत नहीं साबित हो'।

लेकिन राहुल गांधी का 'वोट चोरी' का सत्य सिर्फ उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रश्तुत होता है और उसके बाद हर जांच में गलत साबित हो जाता है। इससे उनकी गंभीरता और साख कम होती है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा ने कर्नाटक में 'वोट चोरी' कर लिया, जबकि वहां कांग्रेस की सरकार थी और लोकसभा चुनाव से एक साल पहले उसी मतदाता सूची और उसी चुनाव आयोग के रहते कांग्रेस ने बड़े बहुमत से जीत हासिल की थी।

यानी भाजपा ने 2023 में 'वोट चोरी' नहीं और 2024 में कर ली। 2024 में भी कर्नाटक में जहां कांग्रेस की सरकार थी वहां 'वोट चोरी' कर ली लेकिन महाराष्ट्र में जहां खुद भाजपा की सरकार थी वहां नहीं की! वहां बुरी तरह से हार गई। तभी आरोपों में संगति नहीं बैठती है। राहुल को समझना चाहिए कि कम से कम कांग्रेस में उनके नेतृत्व को कोई चुनौती नहीं है।

अनंतकाल तक कांग्रेस का सर्वोच्च नेतृत्व उनके परिवार के पास ही रहना है। इसलिए उनसे उम्मीद की जाती है कि वे हार का बहाना 'वोट चोरी' में खोजने की बजाय कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और मजबूती से चुनाव लड़ने के उपाय करेंगे।

गैर-बराबरी के मुकाबले में भी राहुल बिना डर के डटे हैं!

शकील अख्तर

राहुल को मोदी की बनाई पूरी व्यवस्था से लड़ना पड़ रहा है। पूर्व में कोई उदाहरण? फिलहाल विरथ रघुवीरा ही याद दिलाते हैं। शायद लोगों की समझ में आए। और अंत भी कि रावण रथी की कहानी खत्म हुई थी। .... लेवल प्लेइंग फील्ड नहीं है। राश्ता थोड़ा लंबा हो सकता है। मगर राहुल गलत नहीं हैं। वे मुद्दों की लड़ाई लड़ रहे हैं और मोदी चुनाव आयोग से लेकर सुप्रीम कोर्ट और सभी संवैधानिक संस्थाओं और अन्य संस्थाओं मीडिया वगैरह पर कब्जा बनाए रखने की।

कांग्रेस की गलती एक ... दो ... तीन हम दस तक गिना सकते हैं। और उससे भी ज्यादा! मगर क्या कांग्रेस और विपक्ष उसकी वजह से चुनाव हार रहा है? मामला बिल्कुल ही दूसरा है। कांग्रेस को चुनाव जीतने ही नहीं देना है। राहुल को खत्म करना है। इसके लिए कुछ भी किया जाएगा। चुनावों में जो सामान्य स्थितियां होती हैं क्या वह रहने दी गईं? वोटर लिस्ट से लेकर ईवीएम तक सब पर कब्जा कर लिया गया है। चुनाव आयोग कठपुतली है। सुप्रीम कोर्ट खामोश है। और मीडिया भाजपा की हर बात को सही ठहराने में लगा है।

एक उदाहरण सिर्फ एक उदाहरण। दिल्ली पूरा गैस चेंबर बना हुआ है। एम्स के डाक्टरों ने प्रेस कान्फ्रेंस करके कह दिया कि जान को भी खतरा है। मगर एक शब्द ... एक शब्द आपने प्रधानमंत्री के मुंह से सुना? कोई मीटिंग, कोई कार्रवाई तो अलग बात है। प्रधानमंत्री क्यों नहीं बोल रहे? क्योंकि उन्हें मालूम है कि मीडिया इस पर कोई सवाल नहीं उठाएगा। वह राहुल की तेजस्वी की गलतियों को खोजता रहेगा। और हमने क्या किस तरह मैनेज किया है वह बताता रहेगा।

इन परिस्थितियों में राहुल को मोदी की बनाई पूरी व्यवस्था से लड़ना पड़ रहा है। पूर्व में कोई उदाहरण? फिलहाल विरथ रघुवीरा ही याद दिलाते हैं। शायद लोगों की समझ में आए। और अंत भी कि रावण रथी की कहानी खत्म हुई थी।

एक और तरह से बात समझाते हैं। सब बता रहे हैं कि किस बढ़िया तरीके से मोदी अमित शाह चुनाव लड़ते हैं। ठीक बात है। मगर कोई यह नहीं बता रहा कि किस मुद्दे पर लड़ते हैं? बिहार में राहुल ने तेजस्वी ने जो मुद्दे उठाए क्या वह गलत थे? नौकरी का रोजगार का सवाल क्या बिहार में सबसे प्रमुख नहीं है? क्या पलायन सबसे बड़ी पीड़ा नहीं है?

अभी 2025 के चुनाव में बहुत लोग बिहार गए। हम तो बहुत पहले से जा रहे हैं। क्या वहां जैसी गरीबी कहीं और देखी? कम पैसों में, बहुत कम पैसों में जैसे वहां लोग गुजर करते हैं वैसे कहीं और देखे? जो मोदी इस चुनाव में भी बिहार को विकसित राज्य बनाने की बात कर रहे थे उनका 11 साल से केन्द्र में राज है। बिहार को कहीं से कहीं पहुंचा सकते थे। राज्य में भी बीस साल से वे ज्यादातर समय नीतीश के पार्टनर रहे। मगर क्या किया?

यह एक सवाल पूछने वाला कोई है? बिहार और ज्यादा कर्ज के जाल में फंसा दिया गया। 3. 02 लाख करोड़। यह महिलाओं को दस दस हजार रुपए बांटने के पहले का सरकारी आंकड़ा है। बाद का अभी सरकार दे नहीं रही। यह प्रति व्यक्ति 24 हजार रुपए से ज्यादा होता है। बिहार के हर व्यक्ति को कर्ज में डूबोकर यह दस-दस हजार रुपया बांटा गया है। किसी ने

सवाल पूछा? यह आंकड़ा दिया? यह याद आया कि प्रधानमंत्री मोदी इसे रेवड़ी कह चुके थे। आज जब वे खुद बांट रहे हैं तो कोई है उनसे पूछने वाला? नहीं, सारे सवाल राहुल के लिए हैं। और सारी प्रशंसा मोदी के लिए। आगे बढ़ें इससे पहले देश पर बढ़ते कर्ज का एक आंकड़ा और दे दें। 2014 के बाद से तीन गुना बढ़ गया है। 14 में 55.87 लाख करोड़ था। जो आज 185.11 लाख करोड़ हो गया है।

पहले बहुत बताया जाता था मीडिया का प्रिय काम होता था हर व्यक्ति पर कितना कर्जा है। आज न तो कोई यह बताता है कि राष्ट्रपति भवन में कितने कमरे हैं और 7 रेसकोर्स जो आज लोक कल्याण मार्ग बना दिया गया है वह कितने बंगलों को मिलाकर बनाया प्रधानमंत्री आवास है। इसलिए आदमी को सीधे भड़काने वाले हेडिंग लगाकर कि आपके सिर पर इतना कर्जा बताने वाले मीडिया का अब सामान्य खबर के तौर पर भी कर्ज बताने का सवाल ही नहीं! नौकरी रोजगार का विकल्प फ्री बीज (रेवड़ी)। बिना काम किए तत्काल लाभ। विपक्ष कहां से दे सकता है इतना पैसा? उसके तो बैंक खाते सीज कर दिए जाते हैं। कांग्रेस को 2024 का लोकसभा चुनाव अपने कार्यकर्ताओं से चंदा मांगकर लड़ना पड़ा।

कितने लोगों को याद है यह? इलेक्टोरल बांड से भाजपा को हजारों करोड रुपए का चंदा मिला। सुप्रीम कोर्ट ने कहा गलत। स्कीम रद्द घोषित कर दी। मोदी ने सुप्रीम कोर्ट पर हमला बोला। कहा कि आज श्रीकृष्ण होते तो सुदामा से चावल लेने पर फैसला आ जाता। उन्हें भ्रष्ट कह देते। उस हमले के बाद से सुप्रीम कोर्ट की हालत क्या हो गई सबने देखा है। चीफ जस्टिस पर वकील ने जूता फेंककर मारा। और उस कृत्य को सही ठहराया गया। कौन सी संवैधानिक संस्था अपना काम कर रही है? वह लड़ रहा है। और सबसे बड़ी बात अपने उसूलों के साथ। एक अकेला राहुल।

मोदी क्या किसी सिद्धांत पर चुनाव लड़ रहे हैं? अपनी मातृसंस्था आरएसएस को भी बौना बना दिया। भाजपा अध्यक्ष नड्डा कहते हैं कि हमें अब आरएसएस की जरूरत नहीं। अहंकार की पराकाष्ठा। मगर मीडिया उनमें गुण रोपे जा रहा है। और इधर राहुल में अवगुण ढूंढे जा रहे हैं। खुद प्रधानमंत्री कांग्रेस में विभाजन की उम्मीद पाल रहे हैं। पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले जब नड्डा ने संघ को मोदी के सामने छोटा बताने की बात कही थी तो क्या कांग्रेस ने इस पर खुशियां मनाईं थीं? नकारात्मकता से क्या हासिल होता है? देश को तो कभी कुछ नहीं। 2047 तक भारत को ऐसा बना देंगे। सौ साल में ऐसा! कीजिए इंतजार!

मगर राहुल आज की बात कर रहे हैं। जेन जी के भविष्य की। क्या सिर्फ चुनाव हारने से राहुल के रोजगार नौकरी शिक्षा स्वास्थ्य के मुद्दे खत्म हो गए? और मोदी के चुनाव जीतने से चुनाव जीतने के तरीके स्थापित हो गए? कोई नहीं लिखेगा कि विरथ थे इसलिए परेशानियां आईं। मगर अंत में रथ और सारे संसाधन काम नहीं आए। लेवल प्लेइंग फील्ड नहीं है।

राश्ता थोड़ा लंबा हो सकता है। मगर राहुल गलत नहीं हैं। वे मुद्दों की लड़ाई लड़ रहे हैं और मोदी चुनाव आयोग से लेकर सुप्रीम कोर्ट और सभी संवैधानिक संस्थाओं और अन्य संस्थाओं मीडिया वगैरह पर कब्जा बनाए रखने की। बिना कारपोरेट के पैसे इन संस्थाओं का साथ लिए मोदी कैसे चुनाव जीत सकते हैं यह अभी देखना बाकी है। मगर यह सब देख रहे हैं कि राहुल इन सबके बगैर भी बिना भय बिना याचना बिना विचलन के लगतार डटे खड़े हैं।

यह कोई आसान काम है? उनकी लोकसभा सदस्यता छीनी गई, मकान खाली करवाया गया, दो दर्जन से ज्यादा केस देश में विभिन्न जगह दायर किए गए, खुद प्रधानमंत्री उनकी पार्टी को तोड़ने के बात कर रहे हैं। मगर बंदा फिर भी उसूलों की लड़ाई छोड़ने को तैयार नहीं। उस पर आरोप आसान हैं।

पुराने शब्द लोग भूल गए। एक शब्द है छिद्रान्वेष! वही हो रहा है। मोदी में बहुत गुण होंगे। मगर राहुल इतना गलत नहीं। जान कैनेडी ने कहा था – विक्टरी हेज ए थाउजेंड फादरस बट डिफिट इज एन आर्फन (दुनिया जीत में सौ गुण ढुंढ लेती है मगर हार सिर्फ व्यक्ति पर मढ़ दी जाती है)।

नक्सलवाद पर बड़ा प्रहार एक नई सुबह की आहट

ललित गर्ग

नक्सलवाद अपने अंतिम दौर में है और यह बड़ी उपलब्धि एवं परिवर्तन आकस्मिक नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सुनियोजित, कठोर और व्यापक रणनीतियों का परिणाम है।

वर्षों से जिस समस्या ने भारत के हृदयस्थल को रक्तरंजित किया था, जिस विचारधारा ने दशकों तक विकास, सुरक्षा और मानवीय संवेदनाओं को बंधक बनाए रखा था, वह अब लगभग समाप्ति की कगार पर पहुँच चुकी है। इसका सबसे बड़ा और हालिया प्रमाण है देश के सबसे खतरनाक, खूंखार और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माओवादी कमांडर माड़वी हिड़मा का खात्मा, एक ऐसा नाम जिसके आतंक ने न सिर्फ सुरक्षा बलों बल्कि पूरे तंत्र को लंबे समय तक चुनौती दी।

सुकमा क्षेत्र में जन्मा हिड़मा, सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन-1 का प्रमुख। उसकी मौजूदगी मात्र से बड़े-बड़े हमले अंजाम दिए जाते थे। 2010 का दंतेवाड़ा हो या फिर 2013 का झीरम घाटी हमला, पिछले 20 बरसों में हुए लगभग सभी बड़े नक्सली हमलों के पीछे हिडमा का हाथ माना जाता है। उसने लंबे अरसे तक दंडकारण्य में आतंक का राज कायम रखा। दरभा घाटी नरसंहार तक, सुरक्षा बलों के कई घातक ऑपरेशनों का गुनाहगार हिड़मा रहा। उसकी धमक इतनी थी कि उसके सिर पर 50 लाख से लेकर एक करोड़ रुपये तक का इनाम घोषित था। लेकिन 18 नवंबर 2025 को सुरक्षा बलों के एक अत्यंत सटीक और साहसपूर्ण अभियान में हिड़मा और उसकी पत्नी राजे सहित छह माओवादी ढेर हुए। मौके से मिली एके-47, पिस्टल, राइफलें और अन्य हथियार यह प्रमाणित करते हैं कि यह ऑपरेशन नक्सलवाद की रीढ़ पर निर्णायक प्रहार है। हिड़मा का अंत प्रतीकात्मक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी एक ऐसा क्षण है जिसने नक्सली नेटवर्क को हिला कर रख दिया है। लंबे समय से 'लाल गलियारा' कहे जाने वाले क्षेत्र की गतिविधियाँ जिस तेजी से सिकुड़ रही हैं, वह दर्शाता है कि केंद्र सरकार ने सुरक्षा और विकास दोनों मोर्चों पर जिस दोहरी रणनीति को अपनाया है, उसने वाश्तविक जमीन पर असर दिखाया है।

मार्च 2026 तक 'नक्सलमुक्त भारत' अभियान के अंतर्गत इस साल 300 नक्सली मारे गए, सैकड़ों गिरफ्तार हुए और आत्मसमर्पण किया-यह आँकड़े बताते हैं कि नक्सलवाद अब अपनी वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति खो चुका है। हाल ही में छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में दो दिनों में सैकडों नक्सलियों का आत्मसमर्पण होना यह दर्शाता है कि नक्सल संगठन अब अपने आधार क्षेत्रों में भी समर्थन खो रहा है, और आदिवासी समाज धीरे-धीरे सरकारी विकास योजनाओं की ओर बढ़ रहा है। इसी परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण है हिड़मा का खात्मा, जिसने माओवादी कमान में एक ऐसा शून्य पैदा कर दिया है, जिसकी भरपाई उनके लिए आसान नहीं होगी।

आतंकवाद की तरह ही नक्सलवाद भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक दीर्घकालिक, गहरी और जटिल चुनौती रहा है। जिस तरह सीमा पार से आने वाला आतंकवाद देश की शांति, विकास और सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा बना हुआ था, उसी तरह भीतर से जन्मा नक्सलवाद राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया को बाधित करता रहा। दशकों तक यह समस्या न सिर्फ कुछ राज्यों के लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए चिंता और असुरक्षा का कारण रही।

लेकिन अब जिस निर्णायक मोड़ पर देश खड़ा है, वह यह संकेत देता है कि नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है। हाल के वर्षों में लगातार मिल रही सफलताएँ, शीर्ष नक्सली कमांडरों का सफाया, व्यापक आत्मसमर्पण, और प्रभावित क्षेत्रों में तेज विकास-ये सभी इस तथ्य को सिद्ध करते हैं कि देश एक नई सुबह की ओर बढ़ रहा है। यह वह सुबह है जो भारत को भय, हिंसा और पिछड़ेपन से मुक्त कर, स्थायी शांति और तेज विकास की ओर ले जाती है।

नक्सलवाद की जड़ें स्वतंत्रता के बाद की सामाजिक-आर्थिक असमानताओं, भूमि अधिकारों और आदिवासी इलाकों की उपेक्षा में थीं। कई क्षेत्रों में विकास की रोशनी नहीं पहुँची थी, सरकारी योजनाएँ कागज़ों में रह जाती थीं, और स्थानीय समुदाय प्रशासन के प्रति अविश्वास से भरे हुए थे।

इस वातावरण में नक्सली संगठनों को जमीन और जनसमर्थन मिला। उन्होंने वर्ग संघर्ष और हथियारबंद क्रांति के नाम पर हिंसा का मार्ग अपनाया, जंगलों को अपनी ढाल बनाया और आदिवासी युवाओं को अपने साथ जोड़ लिया। धीरे-धीरे यह आंदोलन एक साम्यवादी विचारधारा का रूप लेते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे खतरनाक चुनौती बन गया। लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपनी मूल विचारधारा से हटकर आतंक, वसूली, शोषण और खून-खराबे का अड्डा बन गया।

सुरक्षा बलों पर हमले, विकास कार्यों को बाधित करना, पुलों और स्कूलों को उड़ाना, आदिवासियों को ढाल बनाना, और सत्ता हासिल करने की लालसा-यह सब नक्सलवाद की असलियत बन गया। इस मानसिकता ने न सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती दी, बल्कि हजारों परिवारों को तबाह किया और लाखों लोगों के जीवन को भय से भर दिया। लेकिन मोदी एवं शाह के प्रयासों से न केवल नक्सलवाद के खात्मे की सफल लड़ाई लड़ी गयी बल्कि नक्सल क्षेत्रों में विकास की योजनाओं को लागू किया गया। सड़क-बिजली-मोबाइल नेटवर्क जैसे क्षेत्रों में काफी काम हुआ है और इससे भी नक्सलियों की पकड़ कमजोर करने में मदद मिली है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2014 से अभी तक नक्सल प्रभावित इलाकों में 12 हजार किमी से ज्यादा सड़कें बनी है, बैंकों की हजार से ज्यादा शाखाएं खोली गई है और स्किल डिवेलपमेंट पर काम किया जा रहा है। इन समन्वित प्रयासों से ही नक्सली जड़ से उखड़ेंगे।

माड़वी हिड़मा जैसे अत्यंत खूंखार और रणनीतिक दिमाग वाले नेता का मारा जाना, नक्सलवाद की रीढ़ तोड़ने जैसा है। हिड़मा न सिर्फ नक्सलियों की सैन्य रणनीतियों का प्रमुख दिमाग था, बल्कि उसकी छवि ने वर्षों तक सुरक्षा बलों में चुनौती की भावना जगाई रखी। नक्सलवाद के कमजोर होने में केवल सुरक्षा अभियानों की भूमिका नहीं है, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति सबसे महत्वपूर्ण रही है। जब सरकार ने स्पष्ट किया कि देश को "नक्सलवाद मुक्त भारत" बनाना है, तो उसके लिए बहु-श्तरीय रणनीति अपनाई गई। एक ओर सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और सटीक इंटेलिजेंस से मजबूत किया गया, वहीं दूसरी ओर सड़कें, स्कूल, अस्पताल, दूरसंचार और आजीविका कार्यक्रमों द्वारा विकास को तेज़ किया गया। विकास और सुरक्षा का यह संयुक्त प्रभाव नक्सलवाद की जड़ों को खोखला करने में निर्णायक सिद्ध हुआ है।

देश के सामने जो नई सुबह उभर रही है, उसका अर्थ सिर्फ यह नहीं कि बंदूकें शांत हो जाएँगी। इसका अर्थ यह भी है कि वे क्षेत्र, जो दशकों से पिछड़े थे, अब देश की मुख्यधारा से जुड़ेंगे। वहाँ निवेश होगा, शिक्षा और स्वास्थ्य का ढांचा मजबूत होगा, पर्यटन और स्थानीय उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, और लोग भय-मुक्त होकर जीवन जी पाएँगे। नक्सलवाद के पतन का संदेश यह भी है कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था किसी भी हिंसक विचारधारा से अधिक शक्तिशाली है। हथियार, भय और आतंक से सत्ता पाने का कोई भी प्रयास अंततः असफल होता है। जनता की आकांक्षाएँ सदैव विकास, सुरक्षा और शांति में होती हैं। नक्सली आंदोलन की जैसी समाप्ति दिख रही है, वह इस सत्य को और अधिक स्पष्ट करती है। नक्सलवाद की पूर्ण समाप्ति केवल बंदूक से नहीं होगी। इसके लिए आवश्यक है कि सरकार विकास योजनाओं की निरंतरता बनाए रखे, आदिवासी समुदायों को सशक्त करे, स्थानीय संस्कृति और संसाधनों का सम्मान करे, और यह सुनिश्चित करे कि प्रशासनिक व्यवस्था पारदर्शी और संवेदनशील बने।

यदि यह निरंतरता जारी रहती है, तो नक्सलवाद का पुनरुत्थान असंभव हो जाएगा। नक्सलवाद का लगभग खत्म होना भारत के लिए सिर्फ एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक मोड़ है। यह उस संघर्ष का अंत है जिसमें हजारों जवानों ने बलिदान दिया, लाखों नागरिकों ने दशकों तक आतंक सहा, और देश ने विकास की गति रोककर भी सुरक्षा को प्राथमिकतादी।

आज जब नक्सलवाद ढह रहा है, तब यह केवल सरकार की सफलता नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक विजय है। यह एक नए भारत की सुबह है-शांत, सुरक्षित, विकासशील और आत्मविश्वासी। ऐसी सुबह जो आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को प्रकाश से भर देगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

चाय विक्रेता ने फंदा लगाकर जान दी

लखनऊ, एजेंसी। हुसैनगंज के पकरिया वाली गली निवासी चाय विक्रेता आदित्य शुक्ला उर्फ करन (28) ने फंदा लगाकर जान दे दी। उन्होंने आत्महत्या क्यों की इसका पता नहीं चल सका है।एसओ हुसैनगंज शिवमंगल सिंह के अनुसार, आदित्य मां सुनीता के साथ रहते थे। नाका के आर्य नगर में उनकी चाय की दुकान है। सुनीता के अनुसार, आदित्य मंगलवार रात दुकान बंद करने के बाद घर आया और कमरे में चला गया। रात लगभग 11:30 बजे जब वह बेटे के कमरे में गईं तो उसे फंदे से लटका देखा। उनके शोर मचाने पर मकान मालिक व अन्य लोग मदद के लिए एकत्र हो गए। लोगों ने आदित्य को फंदे से नीचे उतारा और सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उनके मोबाइल फोन को जांच के लिए कब्जे में ले लिया है। आदित्य की मौत के बाद सुनीता बेसहारा हो गई। उनके दूसरे बेटे शुभम की कुछ वक्त पहले मौत हो चुकी है। पति राजेश शुक्ला काफी समय से अलग आलमबाग इलाके में रहते हैं।

जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा 13 दिसंबर को

लखनऊ, एजेंसी। जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) में कक्षा छह में प्रवेश के लिए परीक्षा 13 दिसंबर को सुबह 10 बजे से होगी।विद्यालय की प्रभारी प्राचार्या डॉ. मीनाक्षी त्रिवेदी ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले बच्चों के प्रवेश पत्र वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। अभिभावक प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लें। प्रवेश पत्र पर ही परीक्षा केंद्र का नाम लिखा है। परीक्षा के दिए बच्चे को 30 मिनट पहले पहुंचना होगा।

डॉ. हरिओम को मैन ऑफ एक्सीलेंस सम्मान

लखनऊ, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस पर बुधवार को गोमतीनगर स्थित आरके. मित्तल सभागार में गाइड समाज कल्याण संस्थान, लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन और कबीर पीस मिशन के संयुक्त तत्वावधान में विशिष्ट सम्मान समारोह हुआ। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डॉ. हरिओम को मैन ऑफ एक्सीलेंस सम्मान से नवाजा गया। मुख्य संयोजक डॉ. इंदु सुभाष ने बताया कि गोल्डन एज युग पुरुष उप्र विधान परिषद के पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री हृदय नारायण दीक्षित, स्वामी मुक्तिनाथानंद, वरिष्ठ पत्रकार श्याम कुमार, रंगकर्मी सूर्य मोहन कुलश्रेष्ठ, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. नकुल सिन्हा और प्रकाशक चंद्र प्रकाश को मिला। सेवा गौरव सम्मान उप्र आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय गुप्ता को मिला। फिल्म निर्माण क्षेत्र में सरदार अरुण सिंह को मैन ऑफ एक्सीलेंस अवॉर्ड मिला।

युवती को जबरन कार में जबरन बैठाने की कोशिश, केस दर्ज

लखनऊ, एजेंसी। चिनहट इलाके की युवती ने पड़ोसी के रिश्तेदार पर गंभीर आरोप लगाते हुए अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी लखनऊ की अदालत का दरवाजा खटखटाया। पीड़िता का कहना है कि 21 अगस्त की शाम युवक ने जबरन कार में बैठाने की कोशिश की और जान से मारने की धमकी दी। कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज किया गया है। पीड़िता के मुताबिक रात लगभग 11 बजे जब वह मटियारी चौराहे से नौबस्ता कला की ओर जा रही थी, तभी नौबस्ता मोड़ के पास बिना नंबर की काली कार में युवक अपने दो अज्ञात साथियों के साथ पहुंचा और उसे जबरन कार में बैठाने का प्रयास किया। विरोध करने पर युवक ने उसके सिर पर पिस्तौल तानकर सामूहिक दुष्कर्म व हत्या की धमकी दी। पीड़िता किसी तरह अपनी जान बचाकर मौके से भाग निकली। घटना के बाद पीड़िता ने 27 अगस्त को चिनहट थाने में लिखित शिकायत दी, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की गई। थाने से लेकर चौकी और आईजीआरएस पोर्टल पर गुहार लगाने के बाद भी जब सुनवाई नहीं हुई तो उसने कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर मंगलवार को थाना चिनहट में केस दर्ज कर लिया गया है। इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि मामले की तफ्तीश शुरू कर दी गई है।

खूंटा गाड़ने के विवाद में मारी तलवार, तीन घायल

लखनऊ, एजेंसी। बख्शी का तालाब। इटौंजा के महोना नगर पंचायत वार्ड-7 में खूंटा गाड़ने के विवाद में मारपीट के दौरान तलवार से वार किया गया। इसमें विपुल रावत, रिंकू और उनकी मां छोटकन्ना लहूलुहान हो गए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। विपुल रावत का आरोप है कि उनकी मां छोटकन्ना ने सड़क किनारे बुधवार सुबह खूंटा गाड़कर उसमें गाय, भैंस बांध दी थी। इस पर खुशीराम अपने बेटों लवकुश, आकाश और उनकी मां शिवदेवी के साथ आए और मां छोटकन्ना को गालियां देने लगे। आरोप है कि विरोध पर सभी ने लाठी-डंडा लेकर मां को दौड़ा लिया। आरोपी का एक बेटा तलवार लेकर आ गया, जिसके वार से विपुल, उनके भाई रिंकू और मां लहूलुहान हो गए। विपुल रावत ने लवकुश, आकाश, खुशीराम, पम्मू और सरोज के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है।

स्काउट गाइड की सात दिवसीय राष्ट्रीय जंबूरी से राजधानी के बाजारों पर बरसेगी करीब 100 करोड़ की समृद्धि

लखनऊ, एजेंसी। स्काउट गाइड की सात दिवसीय राष्ट्रीय जंबूरी के लिए 23 से 29 नवंबर तक शहर में देश भर से 40 हजार से ज्यादा मेहमान आने वाले हैं। इनमें 30 हजार स्काउट गाइड कैडेट तो करीब 10 से 15 हजार अन्य लोग होंगे। सात दिन तक इतनी बड़ी संख्या में आने वाले मेहमानों के स्वागत के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। मेहमानों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मुहैया कराने के लिए शुरू हुए काम से ही लखनऊ के बाजार पर 100 करोड़ से ज्यादा की समृद्धि बरसने वाली है। मेहमानों के स्वागत व ठहरने के लिए वृंदावन योजना स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में बड़े स्तर पर टेंट सिटी बनाई जा रही है। देश के विभिन्न राज्यों से 30 हजार से ज्यादा प्रतिभागी, 2000 विदेशी प्रतिभागी, पांच हजार अधिकारी व अन्य स्टाफ भी शामिल हो रहे हैं। कुल संख्या 40 हजार पार होने की उम्मीद है। इनके लिए 4500 से ज्यादा टेंट, 1600 शौचालय, 1600 स्नानागर, 35 हजार लोगों की क्षमता का एरिना स्टेडियम, 100 बिस्तर का अस्पताल, 15 डिस्पेंसरी बनाई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, टेंट सिटी व अन्य निर्माण के लिए 45 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके अलावा आसपास के होटल व बाजारों में भी रौनक छाने लगी है। कार्यक्रम में सेल्फी पॉइंट, एयरो शो, ड्रोन प्रदर्शन, वाई-फाई जोन, ग्लोबल विलेज, फूड कोर्ट और वाटर एटीएम की भी सुविधा रहेगी।

100 दुकानों का जंबूरी बाजार, ग्लोबल विलेज भी

डिफेंस एक्सपो मैदान में नागरिक सुविधाओं के अलावा भव्य जंबूरी मेला भी लगेगा। इसके लिए 100 दुकानों का जंबूरी बाजार बन रहा है। इस बाजार के संचालक पवन गुप्ता ने बताया कि 100 में 85 स्टॉलनुमा दुकानों की बुकिंग हो गई है। शेष 15 की बुकिंग एक-दो दिन में हो जाएगी। फूड कोर्ट में 7000 लोगों के बैठने की रहेगी। स्टॉल से ही 500 परिवारों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिल रहा है।

उद्योग विभाग की ओर से चिकनकारी का स्टॉल

जंबूरी में ओडीओपी उत्पाद चिकनकारी का भी स्टॉल लगेगा। उपायुक्त उद्योग मनोज चौरसिया ने बताया कि जनपद के चिकनकारी से जुड़े कारीगरों की भी यहां भागीदारी होगी। इससे देश भर से आए लोग लखनवी चिकनकारी उत्पादों की बारीकी को समझ सकेंगे।

19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में प्रदेश के 8000 युवा होंगे शामिल

भारत स्काउट और गाइड यूपी के अनुसार, 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में राजधानी सहित प्रदेश भर से 8000 बालक और बालिकाएं शामिल होंगी। प्रतिभागियों की उम्र 10 से 25 साल आयु निर्धारित की गई है। मानक के अनुसार, प्रतिभागियों के साथ यूनिट गाइड भी शामिल होंगे। अधिकारियों ने बताया कि विद्यालयों से विद्यार्थियों की प्रतिभागिता के लिए प्रदेश के सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को पत्र भेजा गया है।

पिछले दो महीने से चल रहा है काम

हमारी ट्रेड से जुड़े लाइट, टेंट, फूल, बैरीकेडिंग, दुकान बनाने वाले व अन्य श्रमिकों को सरकार के ऐसे कार्यक्रमों से बड़ा रोजगार मिल रहा है। करीब दो हजार श्रमिकों और सैकड़ों व्यापारियों को भी इससे रोजगार मिलेगा। सहालग के समय ऐसे कार्यक्रमों से टेंट कारोबार को दोगुनी रफ्तार मिलती है।

पंचम दा के सदाबहार गीतों से सजी शाम

लखनऊ, एजेंसी। संगीतकार आरडी बर्मन को समर्पित दो दिवसीय संगीत समारोह पंचम धारा का आयोजन बुधवार को संगीत नाटक अकादमी में किया गया। भारतीयम संस्था के समारोह के पहले दिन पंचम दा के संगीत से सजे सदाबहार नगमों ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। अवसर पर शिवांजना म्यूजिक की लॉन्चिंग भी हुई।

वायलेंट द म्यूजिकल बैंड के कलाकारों ने तुम जो मिल गए हो..., दिल क्या करे जब किसी से..., प्यार करने वाले..., चला जाता हूं किसी की धुन में जैसे सुरीले नगमे पेश किए। संस्था के प्रमुख राजीव रंजन सिंह ने बताया कि मुंबई से मशहूर ड्रमर जॉन टी. हंट की मौजूदगी खास रही, जिन्होंने आरडी बर्मन और जतिन ललित के कई गानों को संवारा था। श्रेया अवस्थी ने गानों से जुड़े दिलचस्प किस्से भी सुनाए।

राजीव रंजन ने बताया कि बृहस्पतिवार को वरिष्ठ रंग निर्देशक पुनीत अस्थाना के निर्देशन में नाटक द क्लाउन-विदूषक का मंचन होगा। यह प्रस्तुति हास्य अभिनेता चार्ली चैपलिन को समर्पित होगी। अवसर पर सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी, लेखक, नाटककार और निर्देशक पद्मश्री डीपी सिन्हा और वरिष्ठ रंगकर्मी पद्मश्री राज बिसारिया को श्रद्धांजलि दी जाएगी।

यूपी में फर्जीवाड़ा: मुआवजा हड़पने के लिए जमीन पर दिखाया दलितों का कब्जा, सरकार को लगाया करोड़ों का चूना

लखनऊ, एजेंसी। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के लिए जमीन अधिग्रहण में बड़ा खेल पकड़ में आया है। लखनऊ के सरोजनीनगर में मुआवजा हड़पने के लिए ग्राम समाज की जमीनों पर दलितों का कब्जा दिखाकर सरकार को करोड़ों रुपये का चूना लगाया गया। रिकॉर्ड में यह हेराफेरी एक्सप्रेसवे के सीमांकन के बाद की गई। राजस्व परिषद ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं।

जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम-1950 की धारा 122 बी (4 एफ) के अनुसार, अगर किसी जमीन पर अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति वर्ष 2007 से पहले से काबिज है, तो उसे हटाया नहीं जाएगा। इसके बजाय उसे पहले 5 साल के लिए जमीन पर असंक्रमणीय भूमिधर अधिकार दिया जाएगा। उसके बाद उसे संक्रमणीय भूमिधर अधिकार मिलेगा। हालांकि, कृषि भूमि होने पर यह रकबा 3.5 एकड़ से अधिक नहीं होगा।

राजस्व परिषद में सुनवाई के दौरान कुछ ऐसे मामले पकड़ में आए हैं, जिनमें आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के लिए पहले ग्राम समाज की भूमि का चिह्नांकन किया गया, बाद में उस भूमि पर दलितों का कब्जा दिखाया गया। उच्चपदस्थ सूत्रों के मुताबिक, अगर ईमानदारी से जांच होगी तो अकेले सरोजनीनगर तहसील में ही यह घपला 100 करोड़ रुपये से पार जाएगा। वहीं, राजस्व परिषद ने प्रदेश में जमीन अधिग्रहण वाले सभी जिलों में जांच का आदेश देने का निर्णय लिया है, ताकि अगर इस तरह के और भी घपले पकड़ में आ सकें।

सेवानिवृत्त रेलवे अफसर और शिक्षक को डिजिटल अरेस्ट कर 30.57 लाख रुपये ऐंठे, आतंकी से कनेक्शन में फंसाया

लखनऊ, एजेंसी। साइबर जालसाजों ने सेवानिवृत्त रेलवे अफसर और शिक्षक को डिजिटल अरेस्ट कर 30.57 लाख रुपये वसूल लिए। पीड़ितों ने साइबर क्राइम थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। जालसाजों ने आतंकी संगठनों से कनेक्शन बताकर दोनों पीड़ितों को जेल भेजने की धमकी दी थी।

रेलवे से सेवानिवृत्त अफसर आलमबाग के गीतानगर निवासी तेज बहादुर सिंह के मुताबिक, नौ नवंबर को उनके पास अंजान नंबरों से कॉल आई। कॉल करने वाले ने बताया कि उनके आधार कार्ड से एचडीएफसी बैंक में खाता खोला गया है। इसमें आतंकी बहुत बड़ी धनराशि का आदान-प्रदान कर रहे हैं।

तेज बहादुर ने फोन नंबरों की पड़ताल की तो उस पर इंफार्मेशन ऑफिस और एसटीएफ लिखकर आ रहा था। झांसे में आकर वह ठगों से बात करने लगे। ठगों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में केस दर्ज किया गया है। एटीएस फोन करती है तो उसी संदर्भ में बात करना है। इसके बाद जालसाजों ने तेज बहादुर को चार दिन तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा। आरोपी हर दो घंटे पर पीड़ित से अपडेट लेते रहे।

ठगों ने दूसरे दिन फोन कर बयान के लिए मुंबई एटीएस के ऑफिस आने के लिए कहा और गिरफ्तारी का भय दिखाया। बाद में फोन पर बयान दर्ज करने का झांसा देकर तेज बहादुर से उनकी पत्नी कौशल्या देवी के खाते में जमा 14 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। अगले दिन फिर फोन किया और जमानत राशि कम पड़ने के नाम पर चार लाख रुपये और ट्रांसफर करवाए। बैंक की ओर से फोन पर खाता खाली करने का कारण पूछे जाने पर तेज बहादुर ने परिजनों को मामले की जानकारी दी। इसके बाद उन्हें ठगी का अहसास हुआ।

शिक्षक को छह दिन तक डिजिटल अरेस्स्ट कर करीब 13 लाख रुपये हड़पे

उधर, राजाजीपुरम निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक गया प्रसाद त्रिपाठी को छह दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर ठगों ने 12.57 लाख रुपये हड़प लिए। पीड़ित के मुताबिक, सात नवंबर को उनके पास अंजान नंबर से कॉल आई। फोन करने वाले ने बताया कि वह एटीएस से इंस्पेक्टर रंजीत कुमार है, जो लखनऊ पुलिस हेडक्वार्टर से बात कर रहा है। ठग ने कहा कि उनका नाम पाकिस्तान से जुड़ा पाया गया है। दिल्ली के अफजल खान ने बताया है कि उनका मोबाइल नंबर पाकिस्तान वालों के पास है। जम्मू-कश्मीर में केस दर्ज किया गया है। ठगों ने जेल भेजने की धमकी दी। ठग ने कहा कि उनका नाम मनी लॉन्डिंग में भी आया है। वह जेल जाने से बचा सकता है। इसके लिए सभी बैंक खातों की जानकारी देनी होगी। झांसे में लेकर ठगों ने उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर लिया। पीड़ित ने तीन खातों की जानकारी दे दी। इसके बाद ठगों ने उनसे अलग-अलग खातों में 12 लाख 57 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए।

पुलिस ने फ्रीज कराए ढाई लाख रुपये

साइबर क्राइम थाने के प्रभारी ब्रजेश कुमार के मुताबिक गया प्रसाद ने ठगी की शिकायत की थी। पड़ताल के दौरान ठगों के दो खातों में ढाई लाख रुपये फ्रीज करा दिए गए। ठगों के बैंक खातों के बारे में पता लगाया जा रहा है। तेज बहादुर सिंह से हुई ठगी की रकम भी वापस दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गुरु-शिष्य परंपरा से परिचित होंगे यूपी के विद्यार्थी

लखनऊ, एजेंसी। पुणे स्थित भारती विद्यापीठ के स्कूल ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट के निदेशक प्रो. शारंगधर साठे ने कहा कि हमारे यहां गुरु-शिष्य परंपरा निभाई जाती है। इसके तहत गुरुओं के घर जाकर शिष्य संगीत व अन्य विधाओं की शिक्षा ग्रहण करते हैं। इस परंपरा से अब उत्तर प्रदेश के विद्यार्थी और कलाकार भी परिचित होंगे। इसके लिए बुधवार को उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी और भारती विद्यापीठ के बीच अहम समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

एमओयू के तहत दोनों संस्थान एक-दूसरे से शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों को साझा करेंगे। इसका लाभ शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों को मिलेगा। भारती विद्यापीठ डीम्ड टु बी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट के निदेशक प्रो. शारंगधर साठे और एसएनए के निदेशक डॉ. शोभित कुमार नाहर के बीच हस्ताक्षरित अनुबंध पत्रों का आदान-प्रदान हुआ।

प्रो. शारंगधर ने कहा, थ्योरी, प्रैक्टिकल और वायवा के लिए संस्थान में कक्षाएं चलती हैं, लेकिन शुरुआत में विद्यार्थी को गुरु के घर जाकर ही दीक्षा लेनी होती है। एमओयू के तहत दोनों संस्थान एक-दूसरे के यहां संगीत व अन्य विषयों से संबंधित कार्यशालाओं का आयोजन करेंगे। स्टडी मैटेरियल भी साझा करेंगे। एमओयू का मुख्य उद्देश्य है कि नई पीढ़ी को क्लासिकल संगीत से जोड़ा जाए। शोध के साथ अच्छे कलाकार तैयार किए जाएं। भारती विद्यापीठ के प्रो. प्रवीण कासलीकर और संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष प्रो. जयंत खोत ने कहा कि इस अनुबंध से दोनों संस्थानों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान से बेहतरीन कलाकार मिलेंगे।

प्राइवेट पार्ट में डाली कांटेदार टहनी...रहम न आया, जिस तरह की गई गोवंश की हत्या

आगरा, एजेंसी। आगरा के खंदौली में बुधवार की सुबह खंदौली यमुना एक्सप्रेसवे इंटरचेंज के नीचे अज्ञात अराजकतत्वों द्वारा गोवंश की निर्मम हत्या कर दिए जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और गोसेवक मौके पर पहुंच गए और गहरी नाराज़गी व्यक्त की।

दर्दनाक दृश्य देखकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। सूचना पर ब्रजवासी गोसेवक रक्षक दल सेना के जिलाध्यक्ष रामकुमार और रवि समेत दर्जनों लोग पहुंच गए। उन्होंने पुलिस को मामले से अवगत कराया। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओम बाथम को मौके पर बुलाया गया। उनके निर्देशन में मृत गोवंश का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद बुलडोजर से गड्ढा खुदवाकर गोवंश को दफनाया गया। जिलाध्यक्ष रामकुमार जूरेल ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पशुओं की खाल से बनी दवा से होगा शुगर व आर्थराइटिस का इलाज, आईवीआरआई के वैज्ञानिक कर रहे शोध

बरेली, एजेंसी। मृत पशुओं की खाल से बनी दवा रक्त में शर्करा (शुगर) के स्तर को कम करेगी। आर्थराइटिस के दर्द से भी मरीजों को निजात दिलाएगी। बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के वैज्ञानिक इस पर तीन साल से शोध कर रहे हैं। उन्होंने खाल से कोलेजन बनाने का तरीका खोज लिया है। प्रयोगशाला में इसके सकारात्मक परिणाम मिले हैं। अब क्लीनिकल यानी मनुष्यों पर परीक्षण की तैयारी है।

आईवीआरआई के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एके विश्वास के मुताबिक, वर्ष 2022 में यह शोध शुरू हुआ था। इसमें कानूनी तौर पर स्लॉटर होने वाले पशुओं समेत संस्थान के डेयरी फार्म में मृत पशुओं की खाल का इस्तेमाल किया गया। खाल को जिलेटिन से हाइड्रोलाइज कर उससे कोलेजन पाउडर बनाने की तकनीक विकसित की। इस प्रक्रिया से तैयार कोलेजन का इस्तेमाल बतौर दवा हो सकता है या नहीं, इसके लिए प्रयोगशाला में परीक्षण शुरू हुआ। इसके सकारात्मक परिणाम मिले हैं।

पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. तनवीर के मुताबिक, कोलेजन नामक प्रोटीन सिर्फ पशुओं में ही पाया जाता है। यह उनके बाल, त्वचा, नाखून, हड्डी, स्नायुबंध, उपास्थि, रक्तवाहिकाओं, आंतों की परत में मिलता है। कैप्सूल कवर समेत आर्थराइटिस और डायबिटीज के मरीजों को दी जाने वाली दवा में भी इसका प्रयोग होता है।

मांस से बनाए संपूरक आहार में 80 फीसदी प्रोटीन

डॉ. एके विश्वास के मुताबिक, एथेलेटिक्स, भारोत्तोलन, जिम में पसीना बहाने वाले या अन्य कार्यों में अधिक श्रम करने वालों को ज्यादा प्रोटीन की जरूरत होती है। उनके लिए प्रोटीन संपूरक आहार (सप्लीमेंट) भी बनाया गया है। इसमें शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले तत्व भी नहीं होते। पशुओं के मांस से तैयार सप्लीमेंट में प्रोटीन की मात्रा 80 फीसदी होती है। सामान्य रूप से मांस खाने पर इतना प्रोटीन नहीं मिलता।

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन:

आयुष शेट्टी और लक्ष्य सेन का दमदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। अब दोनों भारतीय खिलाड़ी एक-दूसरे के खिलाफ अंतिम-8 में भिड़ेंगे। ऑस्ट्रेलियन ओपन में भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। अब दोनों भारतीय खिलाड़ी एक-दूसरे के खिलाफ अंतिम-8 में भिड़ेंगे। वहीं अनुभवी खिलाड़ी एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत को शुरुआती दौर में ही बाहर होना पड़ा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी चीनी ताइपै के सू चिंग हेंग और वु गुआन शुन को 21-18, 21-11 से हराकर अंतिम आठ में पहुंच गए।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप:भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन

निकहत-जैसमीन समेत चार अन्य खिलाड़ी फाइनल में

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। कंधे की चोट के कारण एक साल बाहर रहने के बाद सितंबर में विश्व चैंपियनशिप के जरिये वापसी करने वाली दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ने 51 किलो वर्ग में कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उजबेकिस्तान की जानीवा गुलसेवर को हराया। भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा जिससे निकहत जरीन और जैसमीन लंबोरिया समेत चार अन्य मुक्केबाज विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स के फाइनल में पहुंच गईं। जादुमणि सिंह एम (50 किलो), पवन बर्तवाल (55 किलो), सचिन सिवाच (60 किलो) और हितेश गुलिया (70 किलो) भी खिताबी मुकाबले में पहुंच गए । भारत के 15 मुक्केबाज गुरुवार को स्वर्ण पदक का मुकाबला खेलेंगे। कंधे की चोट के कारण एक साल बाहर रहने के बाद सितंबर में विश्व चैंपियनशिप के जरिये वापसी करने वाली दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ने 51 किलो वर्ग में कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उजबेकिस्तान की जानीवा गुलसेवर को हराया। निकहत आखिरी बार 20 महीने पहले पिछले साल फरवरी में स्ट्रांजा मेमोरियल टूर्नामेंट में पोडियम तक पहुंची थीं। दिल्ली में दो साल पहले विश्व चैंपियनशिप जीतने वाली निकहत ने कहा, 'मुझे खुशी है कि पेरिस ओलंपिक के बाद मेरे पदकों का खाता खुला है। यहां से आगे ही जाना है।

तिलक वर्मा ने अपने पैर पर मारी कुल्हाड़ी, कप्तानी मिलने के बाद भी किया निराश

नई दिल्ली, एजेंसी। बाएं हाथ के भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा को हाल ही में इंडिया ए टीम का कप्तान बनाया गया था। इस टीम ने साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ तीन अनौपचारिक वनडे मैचों की सीरीज भी मेहमान टीम को हराकर 2-1 से जीती। लेकिन कप्तान तिलक वर्मा का बतौर बल्लेबाज प्रदर्शन बेहद निराशाजनक था। साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे इंटरनेशनल सीरीज से पहले उनके पास बेहतरीन मौका था टीम इंडिया के वनडे स्क्वाड में वापसी करने का। मगर उन्होंने अपने पैर पर खुद कुल्हाड़ी मार ली।

तिलक वर्मा की बात करें तो उन्हें भविष्य में टी20 के अलावा वनडे के भी एक अहम खिलाड़ी के तौर पर देखा जाता है। इसलिए उनको टी20 में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद वनडे में प्रमोट करने के लिए इंडिया ए वनडे टीम की कमान सौंपी गई। मगर उन्होंने इस सीरीज में निराश किया और तीन मैचों में एक बार भी 40 रन तक का आंकड़ा नहीं छू पाए। वहीं उनका स्ट्राइक रेट भी इस दौरान सवालों के घेरे में रहा।

साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ वनडे सीरीज में तिलक का प्रदर्शन

- पहला वनडे: 39 रन (58 गेंद), स्ट्राइक रेट- 67
- दूसरा वनडे: 29 रन (62 गेंद)*, स्ट्राइक रेट- 46
- तीसरा वनडे: 11 रन (23 गेंद), स्ट्राइक रेट- 47

ऊपर दिए गए आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि तिलक वर्मा ने बुरी तरह साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ एक सुनहरा मौका गंवा दिया। इन दिनों टी20 टीम में उनकी जगह पक्की है। लेकिन उनकी जो प्रतिभा है वो उन्हें तीनों फॉर्मेट के प्लेयर के तौर पर दिखाती है। मगर उनका प्रदर्शन लिस्ट ए और फर्स्ट क्लास में कैसा है इस पर ही आगे उन्हें टीम इंडिया की अन्य दो फॉर्मेट की टीम में जगह मिल सकती है।

तिलक वर्मा ने 2023 में किया था वनडे डेब्यू: तिलक वर्मा ने सितंबर 2023 में यानी वनडे वर्ल्ड कप 2023 से पहले डेब्यू किया था। आखिरी बार वह दिसंबर 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे मैच खेले थे।

वह लगभग दो साल से भारत की वनडे टीम से बाहर हैं। उनके नाम चार वनडे मैचों में सिर्फ 68 रन दर्ज हैं और 52 उनका सर्वोच्च स्कोर है। यही मौका था वह सभी को प्रभावित करके टीम इंडिया में वापसी कर सकते थे। यह मौका तब और ज्यादा सुनहरा था जब टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर चोटिल हैं और कप्तान शुभमन गिल के खेलने पर सस्पेंस है।

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप:

भारत और पाकिस्तान के बीच लीग स्टेज में नहीं होगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी ने अंडर-19 विश्व कप 2026 के कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में विश्व कप 15 जनवरी से 6 फरवरी, 2026 तक खेला जाएगा। कुल 16 टीमों के बीच 41 मुकाबले खेले जाएंगे। आईसीसी के घोषित कार्यक्रम के मुताबिक लीग स्टेज में भारत और पाकिस्तान आमने-सामने नहीं होंगे।

आईसीसी ने 16 टीमों को 4-4 के ग्रुप में विभाजित किया है। भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग ग्रुप में रखा गया है। इस वजह से लीग स्टेज में दोनों टीमें आपस में नहीं भिड़ेंगी। अक्सर आईसीसी प्रतियोगिताओं में भारत और पाकिस्तान के मैच लीग स्टेज में कराए जाते हैं। इससे टूर्नामेंट का रोमांच बढ़ता है, लेकिन आईसीसी ने इस बार भारत और पाकिस्तान को एक ग्रुप में न रखकर लीग स्टेज में भिड़ंत के रोमांच को ही समाप्त कर दिया है। एशिया कप 2025 (सीनियर) में भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल सहित तीन मैच हुए थे। मैचों के दौरान दोनों देशों के कप्तानों और खिलाड़ियों के बीच हैंड शेक नहीं हुआ था।

इससे स्पष्ट है कि दोनों देशों के बीच क्रिकेट के मैदान पर भी स्थिति सामान्य नहीं है। इसलिए ऐसी किसी भी असामान्य स्थिति से बचने के लिए आईसीसी ने अंडर-19 विश्व कप में दोनों टीमों को अलग-अलग ग्रुप में रखा है। लीग स्टेज में भारत 15 जनवरी को अमेरिका, 17 जनवरी को बांग्लादेश और 24 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

विश्व कप के लिए जिम्बाब्वे और नामीबिया में पांच आयोजन स्थल चयनित किए गए हैं। मैच जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, ताकाशिंगा स्पोर्ट्स क्लब, और क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। वहीं नामीबिया में नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड और एचपी ओवल नामीबिया में खेले जाएंगे।

विश्व कप के लिए 4 ग्रुप बनाए गए हैं

ग्रुप ए में भारत, बांग्लादेश, अमेरिका और न्यूजीलैंड है। ग्रुप बी में जिम्बाब्वे, पाकिस्तान, इंग्लैंड और स्कॉटलैंड शामिल हैं। ग्रुप सी में ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, जापान और श्रीलंका शामिल हैं। ग्रुप डी में तंजानिया, वेस्टइंडीज, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका को जगह दी गई है।

एशेज 2025-26:

फैंस रोमांचित, पांचों टेस्ट के पहले दिन के टिकट बिके

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट मैचों की रोमांचक एशेज सीरीज का आगाज शुक्रवार से पर्थ में हो रहा है। फैंस सीरीज को लेकर बेहद रोमांचित हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक सभी पांच टेस्ट मैचों के पहले दिन के टिकट बिक गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक पर्थ टेस्ट के लिए, दूसरे और तीसरे दिन के टिकट तेजी से बिक रहे हैं, जबकि चौथे दिन के लिए अच्छी अवेलेबिलिटी है। दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से ब्रिसबेन में खेला जाएगा। ब्रिसबेन टेस्ट के पहले तीन दिन के टिकट बिक चुके हैं। चौथे दिन के टिकट तेजी से बिक रहे हैं।

तीसरा टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। तीसरे टेस्ट के पहले तीन दिन के टिकट भी बिक चुके हैं। चौथा टेस्ट मेलबर्न में 26 दिसंबर से खेला जाएगा। मेलबर्न टेस्ट के पहले दो दिनों के टिकट बिक चुके हैं। तीसरे दिन के लिए बहुत कम टिकट बचे हुए हैं। चौथे दिन के लिए भी टिकट बिक रहे हैं। पांचवां टेस्ट 4 जनवरी 2026 से सिडनी में खेला जाएगा। सिडनी टेस्ट के पहले चार दिनों के टिकट बिक चुके हैं। सभी पांच टेस्ट के लिए, पांचवें दिन के टिकट मैच की स्थिति के आधार पर दिए जाएंगे। पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी प्लेइंग इलेवन

का ऐलान कर दिया है।

ऑस्ट्रेलिया प्लेइंग इलेवन:

उस्मान ख्वाजा, जेक वेदरल्ड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ (कप्तान), ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड, ब्रेंडन डॉगेट

इंग्लैंड ने पहले टेस्ट के लिए 12 खिलाड़ियों का ऐलान किया है। प्लेइंग इलेवन का ऐलान टॉस के समय होगा। इंग्लैंड का 12 सदस्यीय स्क्वाड: बेन डकेट, जैक क्रॉली, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, मार्क वुड, जोफ्रा आर्चर, शोएब बशीर।

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच नेपियर में वनडे सीरीज का दूसरा मैच खेला गया। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने इस मैच में शतक लगाते हुए महान बल्लेबाज ब्रायन लारा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए मुकाबले में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे शाई होप ने 69 गेंद पर 4 छक्कों और 13 चौकों की मदद से नाबाद 109 रन की पारी खेली।

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने की महान ब्रायन लारा की बराबरी

होप के वनडे करियर का यह 19वां शतक था। इस शतक के साथ ही होप ने ब्रायन लारा द्वारा वेस्टइंडीज के लिए वनडे में लगाए 19 शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। साथ ही वनडे क्रिकेट में अपने 6,000 रन भी पूरे कर लिए। शतकीय पारी के लिए होप को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, लेकिन वेस्टइंडीज यह मुकाबला 5 विकेट से हार गई। वेस्टइंडीज के लिए वनडे में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में होप ब्रायन लारा के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर आ गए हैं। 25 शतक के साथ क्रिस गेल पहले स्थान पर हैं।

अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में चुने गए 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर

लंदन, एजेंसी। स्विट्जरलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी और 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर को अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में चुना गया है। रोड आइलैंड स्थित हॉल ऑफ फेम ने बुधवार को यह जानकारी दी। टीवी प्रस्तोता और पत्रकार तथा पूर्व खिलाड़ी मैरी कैरिलो को योगदानकर्ता श्रेणी में चुना गया। इन्हें हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए समारोह अगस्त 2026 में होगा।

फेडरर ने 103 टूर-स्तरीय खिताब, 20 बड़ी ट्रॉफियां और 28 एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन जीते है। 43 साल के फेडरर के नाम फरवरी 2004 से अगस्त 2008 तक 237 हफ्तों तक लगातार वल्ड 'नंबर वन रहने का रिकॉर्ड है। फेडरर पांच बार एटीपी ईयर-एंड नंबर वन रहे, पीआईएफ सम्मान से सम्मानित हुए, 13 बार स्टीफन एडबर्ग स्पोर्ट्समैनशिप अवॉड 'मिला और 2003-21 तक लगातार 19 सालों

तक एटीपी फैंस के पसंदीदा चुने गए। अपनी इस उपलब्धि पर फेडरर ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होना और खेल के इतने सारे महान चैंपियन के साथ खड़ा होना बहुत बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा, 'अपने पूरे करियर में मैंने हमेशा टेनिस के इतिहास और मुझसे पहले आए लोगों के उदाहरण को महत्व दिया है। स्विस टेनिस में, अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से घिरे हुए यह खबर सुनना बहुत खास था वह जगह जहां मेरी अपनी यात्रा पहली बार शुरू हुई थी। खेल और मेरे साथियों से इस तरह पहचान मिलना बहुत अच्छा लग रहा है। मैं अगले अगस्त में टेनिस कम्युनिटी के साथ इस खास पल को मनाने के लिए न्यूपोट 'आने का इंतजार कर रहा हूं। 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर 'क्लास ऑफ 2026' के लिए समर्थन प्राप्त करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। फेडरर ने राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे साथी महान खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले युग को 'टेनिस के लिए स्वर्णिम समय' माना।

शुभमन गिल गुवाहाटी टेस्ट से बाहर!

सवालों के घेरे में बीसीसीआई-टीम इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। जिस बात का अंदेशा था, वो अब सच साबित हो गई है. गुवाहाटी में होने जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया को कप्तान शुभमन गिल के बिना ही उतरना पड़ेगा. गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में 22 नवंबर से भारत और साउथ अफ्रीका के बीच ये टेस्ट मैच शुरू होगा लेकिन इस मैच में भारतीय टीम की कमान गिल के बजाए उप-कप्तान ऋषभ पंत के हाथों में जाती हुई दिख रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल गर्दन की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं और टीम के साथ गुवाहाटी जाने के बावजूद वो इस मैच से लगभग बाहर हो गए हैं. इतना ही नहीं, उनका 30 नवंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही वनडे सीरीज में खेलना भी मुश्किल नजर आ रहा है. गिल ही वनडे टीम के भी कप्तान हैं. एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि गिल अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं. वो बुधवार 19 नवंबर को टीम के साथ गुवाहाटी जरूर गए लेकिन अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाए हैं. इसके चलते उनका दूसरे टेस्ट मैच से बाहर होना अब तय ही नजर आ रहा है, जिसका औपचारिक ऐलान होना बाकी है. गिल की गैरहाजिरी में ऋषभ पंत गुवाहाटी में कप्तानी करते हुए दिखेंगे, जिन्होंने कोलकाता टेस्ट की दूसरी पारी में भी टीम की कमान संभाली थी. पंत पहली बार किसी टेस्ट मैच में टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे.

कोलकाता टेस्ट के दौरान गर्दन में खिंचाव

गिल को कोलकाता टेस्ट मैच के दूसरे दिन के पहले सेशन में ये चोट लगी थी. टीम इंडिया की बल्लेबाजी के दौरान गिल जब क्रीज पर उतरे तो एक स्वीप शॉट जमाते ही उनकी गर्दन में खिंचाव आ गया, जिसके कारण वो दर्द में नजर आए. इसके चलते सिर्फ 3 गेंद खेलकर ही वो रिटायर्ड हर्ट हो गए और फिर बैटिंग के लिए नहीं लौटे. गिल को उसी दिन शाम में कोलकाता के ही एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां वो पूरी रात रहे और फिर अगले दिन उन्हें डिस्चार्ज किया गया था. इसके चलते वो दूसरी पारी में भी गिल ने बैटिंग नहीं की और टीम इंडिया वो टेस्ट मैच 30 रन से हार गई.इसके बाद से ही गिल कोलकाता में ही आराम कर रहे थे. रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल को डॉक्टर्स ने पूरी तरह से आराम की सलाह दी थी और कहा गया था कि कहीं भी आने-जाने से या लंबे सफर से उनकी दर्द बढ़ सकता है.